नव प्रदेश

RNI NO.CHHIN/2012/41806 रायपुर, शुक्रवार 26 नवंबर 2021, कृष्ण पक्ष षष्ठी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-280 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

आज बेबाक

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में गजब तमाशा देखने को मिल रहा है। समाजवादी पार्टी अब खालिस परिवारवादी पार्टी बनती जा रही है। अखिलेश यादव जो महागठबंधन बना रहे हैं उसमें उन्हीं पार्टियों को शामिल किया जा रहा है जिनका नारा होता है परिवारवाद जिंदाबाद। फिर चाहे वह ओम प्रकाश राजभर की पार्टी हो या फिर चाचाश्री शिवपाल यादव की पार्टी हो। टीपू इस बार सुल्तान बने या ना बने लेकिन जिस हिसाब से वे छुटभैये दलों का दलदल बना रहे हैं। उसे देखते हुए उनकी पंचर सायकल भस्ट हो सकती है। बेहतर होगा वो अपनी पार्टी के लिए चुनाव चिन्ह रिक्शा कर लें।

निलंबित एडीजी जीपी सिंह मामले में बढ़ी सुनवाई की तारीख

■ एफआईआर निरस्त करने लगी है याचिका

बिलासपुर/नवप्रदेश। निलंबित एडीजी जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज किए गए एफ आईआर को निरस्त करने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में दो याचिका लगाई गई थी,जिसकी सुनवाई गुरुवार को थी। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान सिंह के वकील ने जवाब पेश करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की। हाईकोर्ट ने हुए अगली सुनवाई 8 दिसंबर को तय किया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जस्टिस रजनी दुबे की सिंगल बेंच में जीपी सिंह की याचिका पर सुनवाई के दौरान शासन ने जवाब पेश किया। शासन ने पूरी प्रक्रिया को कानूनी प्रावधान सहित आपराधिक प्रकरण को तथ्यपूर्ण होने की जानकारी दी। साथ ही कोर्ट को बताया कि मामले की जांच में जीपी सिंह पुलिस को सहयोग नहीं कर रहे हैं। शासन के जवाब ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सलमान खुर्शीद की किताब पर रोक नहीं

■ हाईकोर्ट ने कहा- अगर भावनाएं आहत होती हैं तो कुछ बेहतर पढ़ सकते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की नई किताब पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। गुरुवार को याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि अगर भावनाएं आहत होती हैं तो लोग कुछ बेहतर पढ़ सकते हैं। दरअसल, खुर्शीद ने अपनी किताब 'सनराइज ओवर अयोध्याः नेशनहुड इन ऑवर टाइम्स' में हिंदुत्व की तुलना आईएसआईएस से की है। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा 'आप लोगों से इसे नहीं खरीदने और ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोर्ट में वकील ने दी यह दलील

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट के सामने दलील देते हुए कहा फ्रीडम ऑफस्पीच और एक्सप्रेशन के नाम पर लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। किसी भी व्यक्ति को दूसरों की भावनाओं को उल्लंघन करना का अधिकार नहीं है। ऐसा करना अनुच्छेद 19 के उचित प्रतिबंधों का उल्लंघन करता है।

चन्नी सरकार पर फिर भड़के सिद्धू, भूख हड़ताल की दी धमकी

■ कोटकपूरा कांड में साधा निशाना

चंडीगढ़। पंजाब में मुख्यमंत्री बदल गया, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू का अपनी सरकार के प्रति रवैया नहीं बदला। कैप्टन अमरिंदर सिंह से अदावत रखने वाले सिद्धू ने अब चन्नी सरकार को भी धमकाना शुरू कर दिया है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि यदि उनकी सरकार ने ड्रग्स और गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी मामले में रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की तो वह भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे।

नवजोत सिंह सिद्धू का अपनी ही पार्टी की सरकार से उलझना नया नहीं है। कैप्टन अमरिंदर सिंह से लंबे समय तक उनकी तनातनी चली और अंत में अमरिंदर ने पार्टी छोड़ दी। अमरिंदर के बाद सीएम बनाए गए चन्नी से भी सिद्धू की नहीं बन रही है। सिद्धू ने हाल ही में पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, इसे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

उत्तर भारत का गेटवे बनेगा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : पीएम मोदी

पहले यूपी में घोटालों-माफियाओं के ताने मिलते थे, अब तस्वीर बदल गई है

■ यूपी की पिछली सरकार पर लगाया बड़ा आरोप

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर के जेवर में एशिया के सबसे बड़े नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का शिलान्यास किया। पीएम मोदी के एयरपोर्ट पर पहुंचते ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। बता दें कि हवाई अड्डे के पहले चरण का विकास 10,050 करोड़ से अधिक की लागत से किया जा रहा है। हवाई अड्डा 1300 हेक्टेयर से अधिक जगह में फैला हुआ है। हवाई अड्डे के पहले चरण के पूरा ही इसकी क्षमता सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की सर्व करने की होगी। और इस पर काम 2024 तक पूरा होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास के बाद जनता को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद यूपी को ताने सुनने के लिए मजबूर कर दिया गया था। कभी गरीबी के ताने, कभी घोटालों के ताने, कभी खराब सड़कों के ताने, कभी माफियाओं के ताने। अब यूपी अंतरराष्ट्रीय छाप छोड़ रहा है। पहले राजनीतिक लाभ के लिए रेवड़ियों की तरह इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की घोषणा होती थी, लेकिन प्रोजेक्ट जमीन पर कैसे उतरेंगे, इस पर विचार ही नहीं होता था। दशकों तक प्रोजेक्ट अटके रहते थे। देरी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ा जाता था।

एक बेहतरीन मॉडल बनेगा : 4 तेजी से भारतीय कंपनियां सैकड़ों नए विमानों को खरीद रही ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सितंबर-2024 में उड़ेगी पहली फ्लाइट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुनिया का चौथा बड़ा हवाई अड्डा होगा। यह करीब 6200 हेक्टेयर में बनेगा। इसके निर्माण पर 29,650 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पहले चरण में 1,334 हेक्टेयर जमीन पर एक रनवे और एक टर्मिनल साल-2024 तक बना दिया जाएगा। सरकार की मंशा है कि सितंबर-2024 से यहां भारत के 9 शहरों समेत दुबई के लिए फ्लाइट शुरू हो जाए। पूरे हवाई अड्डे का निर्माण कार्य साल-2050 तक पूरा करने का टारगेट है। इसी एयरपोर्ट के नजदीक एयरक्राफ्ट के मेंटेनेंस के लिए देश का सबसे बड़ा सेंटर बनने जा रहा है।

बेहतर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण

भारत बढ़कर एक बेहतरीन आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा 21वीं सदी का नया भारत बढ़कर एक बेहतरीन आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। बेहतर सड़कें, बेहतर रेल नेटवर्क, बेहतर एयर पोर्ट, ये सब इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ही नहीं होते, बल्कि ये पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कर देते हैं, लोगों का जीवन पूरी तरह से बदल देते हैं। गरीब हो या मध्यम वर्ग किसान हो या व्यापारी, मजदूर हो या उद्यमी हर किसी को इसका बहुत बहुत लाभ मिलता है। इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की ताकत और बढ़ जाती है जब उसके साथ सीमलेस कनेक्टिविटी हो, लास्ट माइल कनेक्टिविटी हो।

बिजली विधेयक को लेकर किसानों और मोदी सरकार के बीच फिर से ठनेगी!

नई दिल्ली। तीनों कृषि कानूनों को लेकर जोरदार विरोध के बाद मोदी सरकार ने कानूनों को वापस ले लिया है। लेकिन अब किसानों ने पीएम के सामने छह मांगे रखी हैं। इसमें से एक बिजली (संशोधन) विधेयक 2021 की वापसी की मांग भी शामिल है। किसान इस बिल की वापसी की मांग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि यह सब्सिडी वाली बिजली को खत्म कर देगा। या फिर पहले बिजली बिल जमा करना होगा और फिर सब्सिडी का दावा करना होगा।

पिछले एक दशक में भारत में बिजली की कीमतों में काफी बदलाव आया है और किसानों को डर है कि निजीकरण से बिजली महंगी हो जाएगी और सब्सिडी के केस में मामला और बोझिल हो जाएगा। किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह ने इंडिया टुडे से बात करते हुए कहा है कि पूरा बिजली भर भरने में किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। बेहतर ये रहेगा कि किसानों को सब्सिडी चार्ज का पेमेंट करने की इजाजत दी जानी चाहिए, जबकि बाद बाकी पेमेंट सरकार से वसूल की जानी चाहिए।

बता दें कि पिछले एक दशक में हरियाणा में बिजली की दरों में गिरावट देखी है तो उत्तर प्रदेश में बिजली की कीमत बढ़ गई है। 2010 में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सूर्योदय

उदय :	6 :41 प्रातः
अस्त :	5 :19 संध्या

जनसंख्या

विश्व :	7,909,076,230
भारत :	1,399,324,490

बाजार

सेंसेक्स :	58,795.09
निफ्टी :	17,536.25
गोल्ड :	46,850 प्रति 10 ग्राम
चांदी :	62,900 प्रति किग्रा
अण्डा दर :	4.66 प्रति नग

— दिवस —

संविधान दिवस

संविधान दिवस (26 नवम्बर) भारत गणराज्य का संविधान 26 नवम्बर 1949 को बनकर तैयार हुआ था। संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के रूप में 26 नवम्बर 2015 को पहली बार भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस सम्पूर्ण भारत में मनाया गया तथा 26 नवम्बर 2015 से प्रत्येक वर्ष सम्पूर्ण भारत में संविधान दिवस मनाया जा रहा है। इससे पहले इसे राष्ट्रिय कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था।

मायावती को झटका, विधानमंडल दल के नेता आलम ने पार्टी को किया बाय-बाय

लखनऊ। बसपा विधान मंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने भी बसपा को बाय-बाय कह दिया है. उन्होंने बसपा सुप्रीमो मायावती को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी. लिहाजा उन्होंने सभी पदों से भी इस्तीफा दे दिया है. शाह आलम का पार्टी छोड़ना बसपा को बड़ा झटका बताया जा रहा है. उन्होंने एक पत्र लिखकर बसपा प्रमुख मायावती से कहा कि वह भारी मन से इस्तीफा दे रहे हैं. उन्होंने पत्र में जिक्र किया कि पिछले दिनों जो बातचीत हुई थी, उससे ऐसा लगता है कि आपको मेरे ऊपर विश्वास नहीं है, ऐसी स्थिति में मैं पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं.

बीएसपी के मुस्लिम चेहरे के तौर पर पहचान रखने वाले शाह आलम आजमगढ़ के मुबारकपुर से दो बार विधायक रहे हैं. सूत्रों की मानें तो शाह आलम सपा का रुख कर सकते हैं. जिन 9 विधायकों को बसपा प्रमुख मायावती ने कुछ समय पहले पार्टी से निकाला था, उसमें भले ही शाह आलम शामिल नहीं थे, लेकिन बसपा के भीतर बड़ा खेमा सपा कार्यकर्ताओं का दिख रहा है, क्योंकि पार्टी से बाहर किए गए विधायकों में से वंदना सिंह को छोड़कर सभी ने समाजवादी पार्टी का रुख अख्तियार किया है. बसपा विधानमंडल दल के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने पार्टी के विधान मंडल दल के नेता तथा दूसरे पदों से इस्तीफा देते हुए मायावती को पत्र में लिखा कि आपने दो बार विधायक बनाया, एक बार सांसद बनाया. लेकिन पिछले दिनों जो बातचीत हुई है, उससे लगता है आपको मुझ पर विश्वास नहीं रह गया है.

बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान और मध्यप्रदेश में झारखंड एटीएस के छापे

रांची। देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार बीएसएफ में हथियारों के तस्करों ने सेंध लगा दी है। झारखंड पुलिस के एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) ने बीएसएफ के जवानों की मदद से नक्सलियों और गैंगस्टरों को हथियारों की सप्लाई करने के इस खेल का भंडाफोड़ किया है। झारखंड एटीएस ने पांच राज्यों बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर 5 तस्कर अरेस्ट किए हैं। इनमें पंजाब के फिरोजपुर की बीएसएफ-116 बटालियन का हेड कॉन्स्टेबल कार्तिक बेहरा भी शामिल है। इसके अलावा बिहार के सारण से बीएसएफ -114 बटालियन से स्वैच्छिक सेवानिवृति लेने वाला अरुण सिंह, एमपी से कुमार गुरलाल ओचवारे, शिवलाल धवन सिंह चौहान, हिरला गुमान सिंह ओचवारे शामिल हैं। अरुण ही इस गिरोह का मास्टरमाइंड है।

नवाब मलिक को कोर्ट से झटका, वानखेड़े फैमिली पर बयानबाजी करने पर लगी रोक

मुंबई। समीर वानखेड़े के पिता को बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है. बॉम्बे हाई कोर्ट ने उनकी याचिका पर नवाब मलिक और उनके परिवार को निर्देश दिया है कि अब वे वानखेड़े फैमिली के खिलाफ कुछ भी पब्लिश नहीं कर पाएंगे. स्पष्ट कहा या है कि सीधे तौर पर या फिर इशारों में भी परिवार के खिलाफ बयानबाजी नहीं की जाएगी. बता दें कि समीर वानखेड़े के पिता ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका डाल अपील की थी कि नवाब मलिक द्वारा उन पर और उनके परिवार के खिलाफ फिजूल की बयानबाजी नहीं की जाए. उन्होंने इस पर रोक लगाने की अपील की थी. अब उसी मामले में कोर्ट की तरफ से नवाब मलिक को झटका दिया गया है. अब वे समीर वानखेड़े और उनके परिवार के खिलाफ किसी भी तरह की बयानबाजी नहीं कर पाएंगे. सुनवाई के दौरान नवाब मलिक और वानखेड़े के वकील के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी. इस बात पर भी बहस थी कि नवाब मलिक लगातार समीर वानखेड़े की बहन को लेडी डॉन कहकर संबोधित कर रहे थे. इस पर मलिक के वकील ने कहा था कि फ्लेचर पटेल नाम के शख्स ने ऐसा बोला था और उनके क्लाइंट ने सिर्फ उसे शेयर किया. लेकिन कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए स्पष्ट कहा कि जब तक मामले की सुनवाई जारी है, ऐसी बयानबाजी और आरोप नहीं लगाए जाएंगे. जस्टिस कथावाला ने सीधे नवाब मलिक के वकील से पूछा भी अगर उनके क्लाइंट ऐसी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोर्ट का सवाल- आप मीडिया ट्रायल चाहते हैं

सुनवाई के दौरान एक वक्त तो ऐसा भी आ गया जब जस्टिस कथावाला को कहना पड़ा कि क्या नवाब मलिक को सिर्फ मीडिया ट्रायल चाहिए. ये बात इसलिए कही गई क्योंकि नवाब मलिक लगातार सोशल मीडिया के जरिए वानखेड़े परिवार पर आरोप लगा रहे थे. इस पर कोर्ट ने सवाल पूछा कि क्या मलिक द्वारा कभी कास्ट स्क्रूटिनी कमिटी में शिकायत की गई. जस्टिस कथावाला ने कहा कि मलिक ने ऐसा एक बार भी नहीं किया. इसी के आगे उन्होंने कहा कि नवाब मलिक वानखेड़े के खिलाफ मीडिया ट्रायल चाहते हैं.

कानपुर टेस्ट, भारत ने पहले दिन बनाए 258 रन

रायपुर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कानपुर में खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक टीम इंडिया का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर 258 रन रहा। मैच की शुरुआत भारत के टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के साथ हुई। दिन के खत्म होने तक श्रेयस अय्यर 136 गेंदों पर 75 और रवींद्र जडेजा 100 गेंदों पर 50 के स्कोर पर नाबाद हैं। बता दें कि अय्यर ने इस मुकाबले से टेस्ट डेब्यू किया है। टीम इंडिया ने अपने पहले चार विकेट 145 के स्कोर पर गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद 5वें विकेट के लिए श्रेयस अय्यर और रवींद्र जडेजा ने 208 गेंदों पर 113 रन जोड़कर टीम इंडिया की पारी को संभाल लिया। दोनों खिलाड़ियों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को विकेट का कोई मौका नहीं दिया और समझदारी के साथ बल्लेबाजी करते नजर आए।

टीम इंडिया का पहला विकेट 7.5वें ओवर में मयंक अग्रवाल के रूप में गिरा। मयंक 13 रन बनाकर काइल जेमीसन की गेंद पर विकेट के पीछे टॉम ब्लंडेल को कैच दे बैठे। दूसरे विकेट के लिए शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा ने 133 गेंदों पर 61 रन जोड़े।

सफलता... नीति आयोग द्वारा ''सतत् विकास लक्ष्य शहरी इंडेक्स'' जारी

'फ्रंट रनर' की श्रेणी में रायपुर नगरीय क्षेत्र, मुम्बई-हैदराबाद को पछाड़ा

रायपुर/नवप्रदेश। नीति आयोग ने ''सतत् विकास लक्ष्य शहरी इंडेक्स'' में 56 शहरों को रैंकिंग दी गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ के रायपुर नगरीय क्षेत्र को ''फ्रंट रनर'' की श्रेणी में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा प्रथम बार सतत् विकास लक्ष्य अंतर्गत शहरी इंडेक्स को जारी किया गया है। इंडेक्स में देश के 56 नगरीय क्षेत्रो को 77 सूचकांको में प्राप्त की गई प्रगति के आधार पर रैंकिंग दी गई है। जिसमें रायपुर ने 67.36 अंक प्रदान कर 20वीं रैंक प्राप्त की है। 56 नगरीय क्षेत्रो में सर्वाधिक अंक 75.5 प्राप्त कर शिमला प्रथम रैंक पर है।

छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस इंडेक्स में रायपुर शहर का स्कोर व रैंक अनेक बड़े व प्रमुख शहरो जैसे- मुम्बई, कोलकाता, हैदराबाद, भुवनेश्वर, लखनऊ, प्रयागराज, रांची, इंदौर से बेहतर है।

गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सतत् विकास को सुनिश्चित करने 17 एसडीजी लक्ष्य निर्धारित किये गये है। एसडीजी के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु देश तथा राज्य प्रतिबद्ध है। राज्य स्तर पर इन लक्ष्यों के अंतर्गत प्राप्त प्रगति के मूल्यांकन हेतु राज्य योजना आयोग द्वारा ''एस.डी.जी. स्टेट इंडिकेटर फ्रेमवर्क'' एवं ''एस.डी.जी. बेसलाईन एवं प्रोग्रेस रिपोर्ट'' तैयार की गई है, जिसे मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 12 जुलाई 2021 को जारी किया गया है। इस फ्रेमवर्क के आधार पर विभागों द्वारा सतत् अनुश्रवण व अनुशीलन रायपुर शहर की इस उपलब्धि में सहायक रहा है।

''सतत् विकास लक्ष्य शहरी इंडेक्स'' में रायपुर शहर को एस.डी.जी. गोल 12 (रिस्पोंसिबल प्रोडक्शन एण्ड कंजप्शन) में सर्वाधिक 86 अंक, गोल 4 (क्वालिटी एजुकेशन) तथा गोल 6 (क्लीन वाटर एण्ड सेनिटेशन) में 79 अंक प्राप्त हुये है। साथ ही गोल 7 (अफोर्डेबल एण्ड क्लीन एनर्जी), गोल 9 (इंडस्ट्री, इनोवेशन एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर), गोल 11 (स्टेनेबल सिटीज एण्ड कम्युनिटीज), गोल 13 (क्लाईमेट एक्शन तथा गोल 16 (पीस, जस्टिस एण्ड स्ट्रोंग इंस्टीट्यूशन) में भी अच्छा स्कोर प्राप्त हुआ है। जिसके कारण रायपुर को ''फ्रंट रनर'' की श्रेणी में रखा गया है।

13 राज्यों में कोरोना का अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना संक्रमण के मामले कम होने के बाद फिर बढ़ने शुरू हो गए हैं। पिछले 9 दिनों का डेटा देखें तो मृत्यु दर में 121 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। 15 नवंबर को देशभर में 197 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई थी तो वहीं 23 नवंबर को यह बढ़कर 437 तक पहुंच गई। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका ने केंद्र सरकार को भी अलर्ट कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को 13 राज्यों को चिट्ठी लिखकर कोरोना टेस्टिंग की घटती तादाद पर चिंता जाहिर की है।

न्यूज गैलरी

सेवानिवृत्ति बाद फिल्म डगर पर विजय मिश्रा 'अमित'

मया होगे रे फिल्म में दिखेगा हूनर

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म जगत में प्रदेश के वरिष्ठ लोक हिंदी रंगकर्मी विजय मिश्रा 'अमित' ने नई पारी की शुरुआत फिल्म मया होगे रे से की है। छग स्टेट पावर कंपनी में 32 वर्षों की सेवा उपरांत हाल ही में वे सेवानिवृत्त हुए हैं। विजय मिश्रा का मानना है कि क्षेत्रीय फि ल्म निर्माण की वृहद संभावना छग की धरा पर है। माटी की महक से सराबोर फिल्में सरकार की फिल्म नीति से राष्ट्रीय स्तर पर अवश्य प्रतिष्ठित होंगी। पीवीबी फि ल्म प्रोडक्शन हाउस के इस पारिवारिक फिल्म के निर्माता हेमत जैन, सुभाष बंसल, कंट्रोलर शेखर चौहान निर्देशक नीतीश लहरी, सह-निर्देशन दीपक बावनकर हैं। फिल्म मया होगे रे में प्रदेश के प्रतिष्ठित कलाकार सलीम अंसारी, पुष्पेंद्र सिंह, प्रकाश अवस्थी, योगेश अग्रवाल, उपासना वैष्णव, सोनाली सेंद्रे, भूपेश चौहान, पुष्पांजलि शर्मा, संगीता निषाद, लक्की रघुवंशी, अमरजीत बंटी के हूनर का जलवा दिखेगा। छग के तीज त्यौहार, मेला मड़ाई, खाई खजानी का समावेश फि ल्म में बखूबी किया जा रहा है। सीनियर कैमरा एक्सपर्ट जानसन अरुण संतोष महतो, लाईट कंट्रोलर मोनू साहू की टीम द्वारा राजधानी रायपुर सहित पाटन,गुदेली, डोंगरगढ़, मुरमुंदा में प्रभावी फिल्मांकन जारी है।

छग डडसेना कलार समाज का युवक-युवती परिचय सम्मलेन एवं मिलन समारोह

रायपुर। छत्तीसगढ़ डडसेना कलार (सिन्हा) समाज रायपुर दक्षिण मंडल रायपुर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का 31वाँ 'युवक-युवती परिचय सम्मलेन एवं मिलन समारोह' 25 दिसंबर शनिवार को सुबह 10 बजे से मोतीनगर, बोरियाखुर्द रायपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम में युवक- युवतियों के संगृहीत जीवन-वृत्त पुस्तिका का विमोचन भी किया जाएगा। युवक-युवती परिचय पुस्तिका में युवक-युवतियों का जीवन-वृत्त (बायोडेटा) 5 दिसम्बर तक आमंत्रित है। निर्धारित आवेदन के साथ पासपोर्ट साईज फोटोग्राफपन्ना लाल सिन्हा मो. 9827401090, कृपा राम सिन्हा मो. 9302254247, प्रेम प्रकाश गजेन्द्र मो. 6264145523, कुंवर विजय सिन्हा मो. 7509490051, ब्रिज भूषण सिन्हा मो.9329819873,मनोज सिन्हा 7803082126, मेवा लाल सिन्हा मो. 9981516033 से संपर्क कर जमा कर सकते है।

हत्या के फरार आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़ । घटना दिनांक की है जब प्रार्थिया संतुरा बाई निवासी पीपरखारकला थाना बोरतलाव द्वारा थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करायी की इसका पति बाल किशन वर्मा जो स्वयं का बकरी चराने, पालने का काम करता था। करीबन 15 दिवस पूर्व गांव के ही मंगल यादव को 03 बकरीया 9000 रू0 में बेचा था। जिसका कोई पैसा नहीं मिला था. पूरे रूपये लेना बाकी था। इसलिये 24 नवंबर को इसके पति बाल किशन वर्मा द्वारा शाम 5 बजे के करीब अपने घर से पैसे लेने मंगल यादव के पास जा रहा हूँ. कहकर घर से निकला एवं रात भर घर वापस नहीं आने एवं रात में बहुत इंतजार करने के बाद ज़ सुबह करीब 07:00 बजे गांव के लोगों से पता चला कि मंगल यादव के घर तुम्हारे पति बाल किशन वर्मा का लाश पड़ा है. जिसे मंगल यादव ने पैसे लेनदेन की बात को लेकर ही प्रार्थिया के पति बालकिशन वर्मा पिता स्व0 मेहरबान वर्मा उम्र 48 साल निवासी पीपरखारकला थाना बोरतलाव को टंगिया से मारकर हत्या कर दिया कि रिपोर्ट पर तत्काल अपराध पंजीबद्ध करते हुए विवेचना कार्यवाही के दौरान पता चला कि घटना कर रात्रि में मंगल यादव हत्या कर खून से सने कपडे में ही घर / गांव से भाग गया है जिसे घर से निकलते और भागते समय कुछ लोग देखे है तत्काल फरार आरोपी की पतासाजी करते हुए महज चंद घंटों में फरार आरोपी मंगल यादव पिता स्व0 कवल यादव उम्र 49 साल साकिन ग्राम पीपरखारकला थाना बोरतलाव राजनांदगांव को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपना गुनाह कबूल करने पर वैधानिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। आरोपी मंगल यादव इससे पूर्व भी वर्ष 2015 में एक अन्य अपराधिक प्रकरण में संलिप्त रहा है।

अब तीन वर्ष की सेवा वाले शिक्षाकर्मियों को मिलेगी पदोन्नति

बिलासपुर/नवप्रदेश। गवर्नमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की मांग पर सरकार ने शिक्षाकर्मियों की पदोन्नित आसान कर दी है। अब शिक्षा विभाग में संविलियन हुए शिक्षाकर्मियों को पांच वर्ष की जगह 3 वर्ष में ही पदोन्नति मिल जाएगी। एसोसिएशन के संगठन ने मुख्यमंत्री और और मंत्रिमंडल का आभार जताया है। संगठन के प्रांताध्यक्ष कृष्णकुमार नवरंग व प्रदेश उपाध्यक्ष भोलाराम मरकाम सचिव राधेश्याम टंडन ने बताया कि 8 फरवरी 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, शिक्षा मंत्री प्रेमसिंग साय टेकाम तथा प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा आलोक शुक्ला को ज्ञापन देकर छग स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती तथा पदोन्नति नियम 2019 अनुसूची 02 के प्राचार्य की पदोन्नति हेतु शासकीय सेवा में 05 वर्ष की अनुभव की बाध्यता संबंधी प्रावधानित नियम को शिथिल कर दो वर्ष किए जाने की मांग ज्ञापन सौंपा गया था। जिस पर छग के मंत्रिमंडल की बैठक में 3 वर्ष की सेवा अनुभव की नियम बनाने संबंधित शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मंजूरी मिलने के बाद 2018 में शिक्षा विभाग में संविलियन हुए शिक्षा कर्मी जो एक ही पद पर 22 वर्षों से कार्य कर रहे है, उनको उच्च पदों पर पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ। गवर्नमेंट एम्प्लाइज वेलफेयर एसोसिएशन छ ग ने सरकार को बधाई देकर आभार व्यक्त किया है।

समर्थन मूल्य: धान खरीदी 1 दिसंबर से

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य की 1 दिसम्बर से शुरू हो रहा है। जिले के 66 समितियों के 95 धान उपार्जन केंद्रों में की जाएगी। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अवधि के दौरान अवांछित व्यक्तियों तथा गांव एवं शहरी इलाकों में कोचियों एवं बिचोलियों के द्वारा भी चिल्हर रूप से धान खरीद कर धान लाकर खरीदी केंद्रों में पंजीकृत किसान के धान के रकबे में खपाने अथवा बेचने का कार्य संभावित रहता है। इसके अलावा ऐसे व्यक्तियों को समितियों द्वारा भी प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा सकता है।

स्वच्छता दीदी और सफाई मित्रों का विधायक, महापौर, आयुक्त और सभापति ने सम्मान कर बढ़ाया मनोबल

दुर्ग/ 25 नवम्बर नगर पालिक निगम,विज्ञान भवन,नई दिल्ली में आयोजित स्वच्छ अमृत महोत्सव अंतर्गत केंद्रीय जांच टीम ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 में दुर्ग नगर निगम को 2 लाख 64 हज़ार 8 सौ 6 की जनसंख्या वाले शहरों में दुर्ग को पूरे देश मे 83 से 17 वां रैंक और पहली बार गार्बेज फ्री सिटी के लिए अवार्ड प्राप्त करने पर 25 नवम्बर गुरुवार को बीआईटी हॉल में स्वच्छ्ता दीदीयों और सफाई मित्रो का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त हरेश मंडावी, सभापति राजेश यादव द्वारा तत्कालीन स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं वर्तमान स्वास्थ्य अधिकारी गिरीश दिवान के साथ-साथ स्वच्छता दीदीयों में दीपा जोशी, हेमा बंजारे किरण साहू, लक्ष्मी जांगड़े, अर्पणा मसीह, ममता तांग समेत स्वास्थ्य विभाग शेखर वर्मा, जसवीर सिंह भुवाल, सुरेश भारती, राजू सिंह एवं अन्य, कर्मशाला विभाग वीरेंद्र ठाकुर, शोएब अहमद, कविता साहू, सूरज सारथी, लोक कर्म विभाग कार्यपालन अभियंता एमपी गोस्वामी, आरके पांडेय, प्रकाशचंद थवानी, एआर राहंगडाले, आरके पालिया, भारती ठाकुर, आशमा डहरिया, स्वेता महलवार एवं अन्य समेत 130 का सम्मान करते हुए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

देश में दुर्ग निगम को स्वच्छ्ता सर्वेक्षण में मिला 17 वां स्थान प्राप्त हुआ। और गार्बेज फ्री सिटी के तहत मिला 3 स्टार रेटिंग, सफ ाई सुरक्षा चैलेंज में मिला देश मे छठवा स्थान, सीआईआई 3 आर अवार्ड के तहत मिला दुर्ग को देश में पहला स्थान, रायपुर में आयोजित स्वच्छ्ता का हैट्रिक महोत्सव के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य मे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग को किया सम्मानित।

विधायक अरुण वोरा ने कहा मैं सभी स्वच्छ्ता मित्रों और निगम अधिकारी, कर्मचारियों का स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ। पूरी दुर्ग नगर की जनता के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि निगम के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगन एवं मेहनत को दर्शाती है और पूरी मेहनत और ईमानदारी से कार्यो के कारण देश और प्रदेश में दुर्ग का मान बढ़ा है।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि मैं शहर के नागरिको को धन्यवाद देता हूँ जिन्हेंने गीला कचरा अलग एवं सुख कचरा अलग अलग कर निगम का सहयोग किया,दुर्ग निगम को मिला अवार्ड को मैं शहर की जनता को समर्पित करता हूँ। उन्होंने शहर की जनता से अपील कर कहा कि आने वाले स्वच्छ्ता सर्वेक्षण 2022 में निगम का सहयोग कर पूरे देश मे दुर्ग को नम्बर 1 बनाएं।

आयुक्त हरेश मंडावी ने कहा स्वच्छ्ता सर्वेक्षण दु हज़ार बाइस (2022) अब दुर्ग ह मैदान में आइस।स्वच्छ बनाना है।आने वाले वर्षों में अच्छे से अच्छा काम कर शहर का नाम पुनः रौशन करना है। इस वर्ष नगर निगम को यह सम्मान प्राप्त हुआ है। निश्चित रूप से इसका सारा श्रेय स्वच्छता दीदीयों, सफाई मित्रों, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ नगर निगम के समस्त पार्षदों एवं शहर की नागरिकों को जाता है। नागरिकों के सहयोग के बिना यह संभव नहीं।

धर्म जागरण पखवाड़ा के तहत सुपेला प्रखण्ड में पदयात्रा का आयोजन

भिलाई नगर। धर्मांतरण के विरूद्ध श्रीराम जन्मोत्सव समिति द्वारा चलाए जा रहे धर्म जागरण पखवाड़ा के तहत आज सुपेला प्रखण्ड में पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवा ध्वज और जय श्रीराम के नारों के साथ क्षेत्र में अलग ही माहौल देखने को मिला। हिन्दू धर्म में अपनी अटूट आस्था रखने वाले सैकड़ों की संख्या में लोग आज इस पदयात्रा में शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य इसमें शामिल हुए और इस अभियान की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए सभी को इसमें शामिल होने की अपील की।

पदयात्रा की शुरूआत दुर्गा मंदिर आर्य नगर कोहका में पूजा-अर्चना कर की गई। जो चांदनी चौक हनुमान मंदिर, दुर्गा मंदिर मुरूम खदान, हनुमान मंदिर लक्ष्मी नगर होते हुए रावणभाठा पहुंची। पदयात्रा का समापन शिव मंदिर कांट्रैक्टर कालोनी में किया गया। इस दौरान सभा का संबोधित करते हुए समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने इस धर्म जागरण पखवाड़ा में सहभागिता देने वाले सभी सामाजिक संगठनों एवं आमजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रविरोधी ताकतों द्वारा लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है जिसके लिए हम सभी एकजुट खड़े हैं। उन्होंने कहा कि देश और धर्म के प्रति हमारी श्रद्धा और एकता ही संगठित समाज और राष्ट्र की असली ताकत है। इस धर्म जागरण पखवाड़ा के माध्यम से हमें पूरे भारत को एकजुटता का संदेश देना है। सभा को प्रांतीय महामंत्री बुद्धन ठाकुर, जिलाध्यक्ष सेवकराम साहू, पियूष मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंजू दुबे, प्रवीण पाण्डेय, विनोद सिंह, रीना नैय्यर, दीनानाथ नैय्यर, मदन सेन, भोजराज सिन्हा, श्रीनिवास, सागर शुक्ला, गजेंद्र यादव, शंकर केडिया, रोहित तिवारी, ध्रुव पाण्डेय, गुलाब सिंह, दिलीप केशरवानी, अशोक यादव, पलाश, जीत शर्मा, मुकेश सिंह सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

एसईसीएल का 36वां स्थापना दिवस सोल्लास में मनाया गया

बिलासपुर/नवप्रदेश। एसईसीएल मुख्यालय प्रशासनिक भवन स्थित प्रांगण में गुरूवार को अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ए.पी. पण्डा के मुख्य आतिथ्य, निदेशक तकनीकी (संचालन) एम.के. प्रसाद, निदेशक (वित्त) एस.एम. चौधरी, महाप्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन) ए.के. सक्सेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विभिन्न श्रमसंघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एसईसीएल स्थापना दिवस सोल्लास मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा ध्वज फहराया गया एवं साथी निदेशकगणों, विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रमसंघ प्रतिनिधियों के साथ नवनिर्मित शहीद स्मारक का लोकार्पण करते हुए माल्यार्पण किया गया एवं खनिक प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। एसईसीएल स्थापना दिवस के अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय परिसर में नवनिर्मित शहीद स्मारक का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सीएमडी एसईसीएल ए.पी. पण्डा तथा निदेशक मण्डल एवं विभिन्न श्रमसंघों के प्रतिनिधियों, यूनियन एवं एसोसिएशन/कौंसिल के पदाधिकारियों सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

विधायक व कलेक्टर ने लोगों से टीका लगवाने की अपील की

मुंगेली/नवप्रदेश। पूर्व मंत्री व विधायक पुन्नू लाल मोहले ने कहा है कि 18 वर्ष व 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों में टीकाकरण हेतु जिले में 27 नवम्बर को टीकाकरण महा अभियान का संचालन किया जाएगा। जो कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम एवं बचाव के लिए आवश्यक है। उन्होंने टीकाकरण से छूटे हुए लोगों को भी अभियान में शामिल होकर टीका लगवाने की अपील की है। विधायक ने अपने अपील में कहा है कि कोविड-19 एक वायरस से फैलने वाली बीमारी है। इस बीमारी की रोकथाम एवं बचाव के लिए टीकाकरण जरूरी है। उन्होंने स्वयं की, परिवार की एवं समाज की सुरक्षा के लिए निःशुल्क टीका लगवाने की सलाह दी है। वहीं कलेक्टर ने कहा है कि कोविड-19 एक संक्रामक रोग है। जिसकी रोकथाम और बचाव हेतु जिले में टीकाकरण का काम जोर शोर से चल रहा है। समय पर निर्णय और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से कोरोना ढलान पर है। जिले में अब तक 4 लाख 59 हजार 823 लोगों ने टीका लगवाया है। जिसमें से 3 लाख 23 हजार 459 लोगों ने प्रथम डोज और 1 लाख 36 हजार 364 लोगों ने द्वितीय डोज का टीका लगवाकर टीकाकरण के प्रति भरोसा जताया है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तह. व जिला-दुर्ग

-: व्यक्तिगत सूचना :-

रा.प्र.क्र./ 202110101000219/83/अ-6/वर्ष 2021-22

प्रति,
श्रीमती रेहाना बेगम पति मो. खालिद
निवासी-म.न.32/6,32 बंगला, हुडको भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

पक्षकार-श्रीमती दिव्या पति अचल कुमार श्रीवास्तव निवासी-रिसाली सेक्टर भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग.

विरूद्ध

अनावेदक-श्रीमती रेहाना बेगम पति मो. खालिद निवासी- म.न.32/6, 32 बंगला, हुडको भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

आपको सूचित किया जाता है कि श्रीमती दिव्या पति अचल कुमार श्रीवास्तव निवासी-सेक्टर भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.न. 19 रा.नि.म. कोहका तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 1420/199 रकबा 0/0100 हे.मे.से. 600 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर विक्रेता-रेहाना बेगम पति मो. खालिद निवासी हुडको भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है 1. प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। 2. इश्तहार का प्रकाशन कराई जावे। 3. हल्का पटवारी से जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया जावे।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29/11/2020 को दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18.11.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)

//उदघोषणा//

20211103300105/रा.प्र.क्र. अ-6 वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मण देवांगन पिता परमानंद देवांगन निवासी शक्ति नगर दुर्ग मौजा उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मंडल सिकोला तहसील व जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.नं. 21.19 रकबा 0.010 हे. 1100 वर्गफीट भूमि को विक्रेता/आम मुख्तयार निमेश यादव पिता अनिल कुमार यादव से दिनांक 11/08/21 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08/12/21 स्वयं अथवा अने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23.11.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. पक्षकार का नाम ई-कोर्ट
श्रीमती अंजु मेनन पति नितेश कुमार मेनन रजिस्ट्रेशन नं. 20211100400172 अ-2/21-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्रीमती अंजू मेनन पति श्री नितेश कुमार मेनन निवासी म.नं. एल.आई.जी. 02/152 हाउसिंग बोर्ड कैलाशनगर कुरूद भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम-कुरूद प.ह.न.19-अ/ तह. व जिला दुर्ग	1353/3	0.011 हें 1225 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 17.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी (रा.), दुर्ग, जिला- दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 20211100700266/अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनहरण बाल साहू पिता डरहाराम साहू निवासी ग्राम नई बोरसी कालोनी तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 246/96 रकबा 0.011 हे. भूमि को विक्रेता त्रिलोक कुमार अन्य 1 पिता/पति श्रीराम साहू निवासी ग्राम सिकोला बस्ती दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 12/11/21 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08.12.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 18.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र- 20201061033002O/अ-रा.प्र.क्र. अ-6/22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय कुमार देवांगन पिता मोहन लाल देवांगन निवासी डिपरा पारा दुर्ग मौजा उरला प.ह.न. 07 रा.नि. मंडल सिकोला तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि ख.नं. 203/50 का टु. रकबा 837 वर्गफीट भूमि को विक्रेता अमृतलाल देवांगन व अन्य 02 पिता भूखनलाल देवांगन से दिनांक 27/03/21 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30.11.2021 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 16.11.2021 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग

उद्घोषणा

पंजी. नं. 20211100400245

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका पूना बघेल पति महेन्द्र सिंह बघेल निवासी-सेक्टर 05 भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-धनोरा प.ह.नं. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 565/11 रकबा 0.021 हे. 2335 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 24.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 20211110100073/20211110100073
विषयः अ-6 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

कोहका प.ह.न. 00019 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - श्रीमती श्यामाबाई (अन्य 02), अनावेदक पक्षकार-सत्येन्द्र सिंह ठाकुर

ईश्तहार

आवेदकः श्रीमती श्यामाबाई (अन्य 02) पति स्व. लखन सिंह ठाकुर पता- कोहका भिलाई, द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.नं.19, रा.नि.म. कोहका, तह. व जिला-दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 1318/11, 1319/11 कुल रकबा 0.030 हे. है जो आवेदक के पिता स्व. लखन सिंह पिता नरहरसिंह के नाम पर दर्ज है। भूमिस्वामी लखन सिंह पिता नरहर सिंह की मृत्यु दिनांक 10.10.2015, को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु फौती नामांतरण बाबात आवेदन पात्र मय खसरा बी.1, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया की प्रति प्रस्तुत किया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 07/12/21 स्वयं अथवा अने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16.11.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग

उद्घोषणा

पंजी. नं. 20211100400207

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका प्रमिला देवी पति सुरेश कुमार निवासी- सोनारी जमशेदपुर झारखंड द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-दुर्ग प.ह.न. 16/24 तह. व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 850/92 रकबा 0.0140 हे. 1500 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है। अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

ईशतहार

रा.प्र.क्र./2020210100167/151/अ-06/वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अहमद रजा पिता स्व. जीमल अहमद एवं नवाज अहमद पिता स्व. जीमल अहमद, निवासी- सेक्टर 4 वार्ड नं. 42 भिलाई नगर, द्वारा ग्राम-कोहका प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 2717/52, रकबा 0.002 हे. है जो आवेदकगण की पिता स्व. जमील मोहम्मद पिता मो. हनीफ मुसलमान, के नाम पर दर्ज है। भूमि स्वामी जमील मोहम्मद पिता मो. हनीफ मुसलमान की मृत्यु दिनांक 19.01.2005 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर वैध वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने बाबत् फौती नामांतरण किये जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बी-1 की नकल, मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका की छया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई दिनांक 30/11/2021 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

आज दिनांक 17/11/2020 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./20211010380022/अ-20(3)/वर्ष 2021-22

आवेदिका श्रीमती कल्पना सिंह पति रामवीर सिंह एवं अन्य 01 निवासी एम.आई.जी. 2/258 आमदी नगर हुडको भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित खसरा नं. 1/2, 2/2 का दु. प्लाट नं. एम.आई.जी. 2/258 क्षेत्रफल 160 वर्गमीटर भूमि धारक मनीष कुमार सिंह पिता सुरेश सिंह निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा उक्त भूखण्ड पंजीकृत बैनामा दिनांक 15.11.2021 द्वारा आवेदिकागण को विक्रय किया है। आवेदिका द्वारा उक्त क्रयशुदा भूखण्ड से विक्रेता धारक का नाम विलोपित कर क्रेतागण के नाम पर नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 08.12.2021 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17.11.2021 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 20211104100033/अ-6 वर्ष 2020-21

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है ि कि आवेदक पंचराम निषाद पिता बोदू राम निषाद निवासी मकान नं. 265 थनौद पोष्ट अंजोरा तह. व जिला दुर्ग के द्वारा मौजा ग्राम थनौद प.ह.नं. 28 तह. व जिला दुर्ग 01 स्थित भूमि खसरा नं. 2072 रकबा 0.2500 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में श्रीमती सोनिया निषाद पति बोदूराम व उनके विधिक वारिसानों के नाम पर दर्ज है सहखातेदार सोनिया निषाद पति बोदूराम की मृत्यु दिनांक 10/11/2011 को हो चुकी है। अतः मृतक सहखातेदार का नाम विलोपित कर विधिक वारिसानों का नाम यथावत रखे जाने हेतु फौती नामांतरण आवेदन पेश किया है। जो इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 15/12/21 स्वयं अथवा अने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 22.11.2021 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)

मामला क्रमांक/अ-6/2021-22

//उदघोषणा-पत्र//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका उषा सेन पिता/पति धनुष सिंह निवासी चौहान ग्रीन वैली जुनवानी तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रय शुदा भूमि ग्राम जुनवानी प.ह.नं. 53 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 66/102 रकबा 0.030 हे. में से 1500 वर्गफीट भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता कृष्णा राव पिता/पति लक्ष्मण राव के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 15/12/21 स्वयं अथवा अने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.11.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, (छ.ग.)

मामला क्रमांक/अ-6/2021-22

//उदघोषणा-पत्र//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रेखा कुर्रे पिता/पति मनी कुमार कुर्रे निवासी पंचशील नगर तह. व जिला दुर्ग के द्वारा अपने हक की क्रय शुदा भूमि ग्राम मोहलई प.ह.नं. 6 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 614/2 रकबा 0.160 हे. में से 0.013 हेक्टेयर भूमि को विक्रय पत्र के आधार पर विक्रेता वीरेन्द्र कुमार पिता/पति भूखनलाल के नाम से पृथक कर आवेदक का नाम पटवारी अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है। जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 15/12/21 स्वयं अथवा अने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25.11.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

पुनिया ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा - कांग्रेस ही है एकमात्र विकल्प

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव के ऐलान के बाद कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियों ने अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर गतिविधियां तेज कर दी हैं। चुनाव की तारीख घोषित होने के एक दिन बाद गुरुवार प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया अहम बैठक लेने रायपुर पहुंचे। इस बैठक में सबसे अहम मुद्दा होगा उम्मीदवारों का चयन है जिसके लिए सभी प्रभारी मंत्री बैठक में शामिल हुए।

माना जा रहा है इसी सप्ताह निकाय चुनावों के लिए प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे। इसे लेकर पुनिया कांग्रेस नेताओं से बात कर रहे हैं।

बैठक से पहले कांग्रेस प्रभारी पुनिया ने कहा कि जो जिताऊ हो, हर वर्ग में प्रभाव हो, सभी के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर कैंडिडेट को मौका दिया जाएगा। निकाय चुनावों को लेकर पुनिया ने कहा कि हर चुनाव चैलेंजिंग रहता है, लेकिन जो परिणाम आएंगे उसका अंदाज लगाया जा सकता है। पिछले जो नगरीय निकाय के मुख्य आम चुनाव हुए थे उसमें 10 में से 10 पर कांग्रेस को जीत मिली। सरकार ने जो अच्छा काम किया था और जनता में जो पकड़ है, जनता प्रभावित है इसलिए स्वाभाविक रूप से कांग्रेस एक मात्र विकल्प है।

बीजेपी के प्रदर्शन पर बोले पुनिया

पुनिया ने कहा कि कवर्धा के मामले को राज्य सरकार ने बहुत अच्छे तरीके से हैंडल किया है। भाजपा को कोई मौका नहीं दिया कि इसका वह दुरूपयोग कर सके। भारतीय जनता पार्टी की आदत के अनुसार उन्होंने इसे भी सांप्रदायिक रूप देने का प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

नए बिजली क़ानून पर निशाना

किसान यूनियन की मांग पर 3 कानूनों को सरकार ने वापस लिया है। लेकिन उसका संसद से विधिवत अनुमोदन अभी बाकी है और उसके अलावा किसान की मांग यह भी है कि इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल भी ड्रॉप किया जाए। लेकिन इसे लेकर भी केंद्र सरकार जिद पर अड़ी है। सरकार की आदत हो गई है कि हर मामले को विवाद का रूप दे, पर किसानों के आगे दमखम नहीं दिखा पाते हैं।

यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाने व ट्रेनों को चलाने दिया प्रशिक्षण

■ **पर्यवेक्षकों, फील्ड कर्मचारियों सहित 80 लोगों ने भाग लिया**

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के संरक्षा विभाग ने ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के लिए संरक्षा सेमिनार का आयोजन गुरुवार को किया। इसमें परिचालन से लेकर विद्युत परिचालन एवं यांत्रिक विभाग के कर्मचारियों ने पार्टिसिपेट किया। ऑफलाइन संरक्षा संगोष्ठी पीपी यार्ड भिलाई में हुआ, जिसमें कोविड-19 से संबंधित सभी गाइडलाइन का पालन करते हुए किया गया।

संरक्षा सेमिनार में लोकेश बिश्नोई, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन/रायपुर, डॉ डी एन बिस्वाल/वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर, श्रीकरमारकर, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता पी पी यार्ड/भिलाई, जे के पात्रा, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर, एस साई रमेश, सहायक मंडल यांत्रिक अभियंता, पीपी यार्ड/भिलाई तथा बीवीटी राव/ सहायक परिचालन प्रबंधक/रायपुर तथा संरक्षा सलाहकार, सुपरवाइजर,एवं फील्ड कर्मचारियों को मिलाकर करीब 80 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

मानवीय गलतियों को कम करने पर जोर

निर्बाध संचालन के लिए रेल लाइनों के साथ-साथ रिले और पैनल रूमों पर विद्युत सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने पर बल दिया। इसके साथ ही रेल परिचालन में मानवीय गलतियों को कम करने पर भी जोर दिया गया। प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों से समय पालन बद्धता को 95 फीसदी तक बनाए रखने और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मालभाड़ा लदान की गति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

इन बिंदुओं पर हुई चर्चा

शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां तथा इंजन जोड़ने एवं काटने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां।

हॉट एक्सेल एवं ब्रेक वाईंडिंग का कारण, लक्षण एवं निवारण। कार्यस्थल पर संरक्षा, वैगन की खराबी से होने वाली डिरेलमेंट/ इंसीडेंस, सी बी सी कपलिंग न खुलने के लिए बरती जाने वाली सावधानियां। रोलिंग डाउन ना होने के लिए ली जाने वाली सावधानियां। प्राथमिक उपचार पेटी का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन।

न्यूज गैलरी

सीएम बघेल ने डॉ. रामकुमार सिरमौर के निधन पर शोक व्यक्त किया

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष डॉ रामकुमार सिरमौर के निधन पर शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रायपुर जिले के ग्राम बोइरझिटी (तिल्दा) पहुँचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि डॉ सिरमौर की सोच एवं कार्य ना केवल मनवा कुर्मी समाज के लिए अनुकरणीय है बल्कि उन्होनें समूचे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए अपना अथक योगदान दिया है। इस अवसर पर खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक, पूर्व विधायक जनकराम वर्मा, जिला पंचायत बलौदाबाजार के अध्यक्ष राकेश वर्मा, सहित बड़ी संख्या में समाज के नागरिकगण उपस्थित थे।

नवा रायपुर में 26 को प्लेसमेंट कैम्प

रायपुर/नवप्रदेश। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक 26 नवंबर शुक्रवार को एक्सटेंशन काउंटर, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स राखी, दुकान क्रमांक 7, सेक्टर 25, नवा रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से निजी क्षेत्र के नियोजक टॉप कैरियर सर्विसेस, रायपुर द्वारा 8 वीं से स्नातक उत्तीर्ण आवेदकों की भर्ती कुक, वेटर, होटल हेल्पर, ट्रक ड्रायवर, सिक्युरिटी गार्ड, टैली कॉलर, सेल्स मार्केटिंग एवं एकाउन्टेंट (टैली ई.आर. पी. 09) के कुल 95 पदों पर 7 हजार से 15 हजार रूपये प्रतिमाह के वेतनमान पर की जाएगी। इन पदों पर भर्ती हेतु योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि पर अपनी उपस्थिति देखें। आवेदक सोशल डिस्टेंटिंग का पालन करते हुए प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होंगे। अधिक जानकारी के लिए आवेदक रोजगार कार्यालय, रायपुर में संपर्क कर सकते हैं।

मंडी निरीक्षक एवं उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 28 नवंबर को होगी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर के द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड, रायपुर के अतंर्गत मंडी निरीक्षक एवं उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा (MSIwv) 2021 परीक्षा 28 नवंबर रविवार को सुबह 10 बजे से 1.15 बजे तक (69) परीक्षा केन्द्रों में संचालित की जाएगी। परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन हेतु श्रीमती निधि साहू संयुक्त कलेक्टर रायपुर को नोडल अधिकारी एवं श्री के.एस.पटले, जिला परियोजना समन्वयक, राजीव गांधी शिक्षा मिशन को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा के दौरान सभी परीक्षार्थियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को कोविड-19 महामारी के दिशा निर्देशानुसार सोशल डिस्टेसिंग, सेनेटाईजेशन, मास्क पहनना एवं अन्य सभी दिशा निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

मुख्यमंत्री बघेल ने संविधान दिवस की दी शुभकामनाएं

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को 26 नवम्बर को संविधान दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री बघेल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि लंबे संघर्ष से मिली आजादी के बाद भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित करना एक महती जिम्मेदारी थी। भारत की विविधता को एक सूत्र में पिरोकर रखने के लिए एक मजबूत आधार की जरूरत थी, जिसे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने पूरा किया। हमें गर्व है कि भारतीय संविधान के निर्माण में छत्तीसगढ़ की अनके विभूतियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।भारत की आजादी के बाद नागरिकों और देश को आगे ले जाने के लिए एक सशक्त दस्तावेज के रूप में 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। सभी वर्गों की भावनाओं और जन अपेक्षाओं को संविधान में समाहित किया गया, जिससे सशक्त राष्ट्र निर्माण का सपना बखूबी पूरा हो सका है।
रायपुर स्थित बीटीआई मैदान को किया जाएगा व्यवस्थित

एससीईआरटी डायरेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

रायपुर/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव एवं एससीईआरटी के संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने आज शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रायपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय में लगभग दस करोड़ की लागत से निर्माणाधीन भवन को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही बीटीआई मैदान को सुव्यवस्थित कर वाकिंग प्लेस डेवलप करने और इसका समुचित प्रबंधन के निर्देश दिए। संचालक श्री राणा ने एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे तथा उप संचालक श्री उमेश कुमार साहू के साथ बी.एड. कालेज भवन में विभिन्न कक्षाओं का भी अवलोकन किया। इस दौरान प्राचार्य श्रीमती जसीनता एक्का से महाविद्यालय के संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। श्री राणा ने महाविद्यालय की गुणवत्ता के आधार पर भवन का ग्रेड बेहतर किए जाने के भी निर्देश दिए।

सरकारी जमीन बेचने समेत 14 अलग-अलग प्रस्तावों पर हुई चर्चा

■ **नेता प्रतिपक्ष बोले- सवालों का नहीं मिला जवाब**

■ **अनुबंध के नियम और शर्तों पर दिया गया टेंडर : महापौर**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर नगर पालिक निगम की सामान्य सभा गुरुवार को हुई। बैठक में कांग्रेस विधायक सत्यनारायण शर्मा, विकास उपाध्याय भी पंहुचे। सामान्य सभा की बैठक में 14 मुद्दों पर गहमागहमी से चर्चा की गई। प्रारम्भ में एक घंटे की अवधि के दौरान प्रश्नकाल के बाद अब प्रस्तावों पर चर्चा जारी है. गार्डन सौंदर्यीकरण के लिए 12 करोड़ का प्रस्ताव रखा गया। पहली बार निगम में सरकारी ज़मीन बेचने का प्रस्ताव पेश हुआ। भाजपा के पार्षदों ने नगर में अतिक्रमण, अवैध प्लाटिंग के साथ मच्छरों के प्रकोप का मामला उठाया। जिसपर नगर के सभी वार्डों में फागिंग करने का निर्णय लिया गया।

सुलभ शौचालयों के आसपास अंधेरे की समस्या उठी

सामान्य सभा में वार्ड 26 के समस्त सुलभ शौचालयों के आसपास अंधेरे की समस्या उठी, जिसपर कांग्रेस के वार्ड पार्षद ने कहा इसके लिए स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है। जोन क्रमांक 2 के अंतर्गत आने वाले दानवीर भामाशाह वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद एवं नगर निगम अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के अध्यक्ष सुंदर जोगी के निर्देश पर वार्ड में स्थित समस्त सुलभ शौचालयों के आसपास स्ट्रीट लाईट लगवाई गई है, ताकि वार्डवासियों को कोई असुविधा ना होने पाये एवं कहीं पर भी अंधेरा न रहे।

रायपुर नगर पालिक निगम सामान्य सभा

निगम की सामान्य सभा में प्रतिबंधित पालीथीन पर निगम की ओर से की गई कारवाई की स्वास्थ्य विभाग के नागभूषण राव ने जानकारी दी। पार्षद प्रमोद साहू की मांग पर सभापति प्रमोद दुबे ने कहा कि प्रतिबंधित पालीथीन का मापदंड क्या है। इसे दुकानों, फैक्ट्री में जाकर जांच करना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष का आरोप

नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने सवाल उठाते हुए कहा कि निगम में घटिया काम हो रहा है। निगम पर स्मार्ट सिटी ने कब्जा कर लिया है और निगम के अधिकारी सहित सत्ता पक्ष मूकदर्शक बनी हुई है। 12 करोड़ के टेंडर को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रस्ताव में नियम स्पष्ट नहीं है। हम किसी भी विकास विकास कार्य के विरोधी नहीं है, लेकिन जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है, उस पर संदेह है। मीनल चौबे ने कहा कि बैठक में भाजपा के सवाल का जवाब सत्ता पक्ष नहीं दे रहे है।

नियमों के तहत हो रहे हैं कार्य : महापौर

महापौर एजाज़ ढ़ेबर ने कहा कि प्रस्ताव में एक एक विवरण दिया गया है, जो तालाब हैं, उसका सौंदर्यीकरण है और और उद्यान में निर्माण कार्य विपक्ष के लोग भी अपने हैं। विपक्ष के काम सवाल उठाना और सुझाव देना है। हर बात पर सवाल किया जा रहा है, जो प्रस्ताव है, उसमें और अच्छा कैसे किया जा सकता है, इस पर कभी कोई सुझाव नहीं देते। ठेकेदार को लेकर सवाल उठाया जा रहा है कि उनको ठेका क्यों दिया गया है। जबकि ठेका के नियम शर्ते हैं, जो योग्य व्यक्ति हैं, उन्हीं को ठेका दिया गया है।

बीरगांव और गोबरा नवापारा में आचार संहिता लागू, सभा-रैली पर लगा प्रतिबंध

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय निकाय चुनाव के ऐलान के साथ ही रायपुर जिले के बीरगांव नगर निगम और गोबरा नवापारा में आचार संहिता लागू हो गई है। इस दौरान कोई भी व्यक्ति किसी तरह के शस्त्र का उपयोग नहीं करेगा। यही नहीं बिना अनुमति के न कोई सभा होगी, न कोई रैली। जुलूस और धरने पर भी प्रतिबंधित लगा दिया गया है।

रायपुर कलेक्टर सौरभ कुमार गुरुवार को संबंध में एक प्रेस वार्ता ली,जिसमे उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि आचार संहिता आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध दण्ड विधान की धारा-188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बीरगांव नगर निगम की बात करें तो यहां के कुल 40 वार्डों में मतदान होगा। कुल मतदाताओं की संख्या 80 हजार 441 है। वहीं गोबरा नवापारा में 1091 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

कोरोना संकट को देखते हुए इस बार निकाय चुनाव में मतदान केंद्र बढ़ाये जा रहे हैं। कलेक्टर सौरभ कुमार ने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग को अपनाने के कारण मतदाताओं को एक ही केंद्र में भीड़ नहीं होने दिया जायेगा। जिसके लिए एक मतदान केंद्र के नंबर से ही समानांतर केंद्र बनाये जा रहे हैं। जिसके लिए मतदाताओं को केंद्रों की जानकारी पहले ही दी जाएगी।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से 'जागो वोटर अभियान' भी चलाया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। चुनावी कार्य और शिकायतों के लिए चौबीसों घण्टे कंट्रोल रूम की शुरूआत की गई है। वहीं नामांकन पत्र के लिए बीरेंद्र पंचभाई को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है।

केन्द्र सरकार आवास योजना एवं फंड आवंटन में भेदभाव कर रही

रायपुर/नवप्रदेश। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना एवं फंड के आवंटन में छत्तीसगढ़ के साथ छल पूर्ण व्यवहार कर रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा के नेता मोदी सरकार के केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में नाकामी एवं भेदभाव पर पर्दा करने राज्य सरकार पर झूठे एवं मनगढ़त आरोप लगा रहे है। मोदी सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटन में भी अन्य केंद्रीय योजना की तरह ही छत्तीसगढ़ के साथ सौतेला एवं भेदभाव कर रही है। पीएम आवास के फंड के आवंटन के लिए छत्तीसगढ़ में रेरा में पंजीयन को अनिवार्य कर रही है। वही भाजपा शासित राज्य मध्यप्रदेश को रेरा में पंजीयन के बैगर निरंतर फंड का आबंटन एवं आवास का एलामेंट किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में पीएम आवास के लगभग 1100 प्रोजेक्ट चल रही जिसकी दूसरी किश्त का लगभग 1500 करोड़ रु की राशि का भुगतान सिर्फ केंद्र सरकार ने अब तक नहीं की है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सच्चाई यह है कि केंद्र की सरकार केंद्रीय योजनाओं के बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करने में गंभीर नहीं है। छत्तीसगढ़ में बीते 3 साल से चल रही केंद्रीय योजना प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम जल मिशन, राष्ट्रीय शहरी अजीवका मिशन, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, सर्व शिक्षा अभियान सहित अन्य केंद्रीय योजना में केंद्र सरकार के द्वारा स्वयं के अंशदान में की गयी कटौती के चलते राज्य सरकार को केंद्रीय योजनाओं में राज्य को अंशदान के अलावा 13 हजार करोड़ रु. की अतिरिक्त भार पड़ रही है। मोदी सरकार के गलत नीतियों मनमानी से उत्पन्न हुई आर्थिक संकट अब केंद्रीय योजनाओं पर भी प्रभाव दिखा रही है।

गरूड़ एप में एंट्री पूरी करने पर बीएलओं को मिलेंगे पांच सौ रूपए

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने बुधवार को राज्य में मतदान केंद्रों में सुविधाएं सुनिश्चित करने और गरूड़ ऐप की प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य के बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) प्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से विकसित डिजिटल एप गरूड़ को मतदाताओं की सुविधा के लिए विकसित किया गया है। सभी बीएलओ को निर्वाचन आयोग के डिजिटल प्लटफार्म पर जानकारियां देने, गरूड़ ऐप डाउनलोड करने और बूथ के एएमएफ (एश्योर्ड मिनिमम फेसेलिटी) की जानकारी को पूरा करने पर 500 रूपए वन टाईम डेटा रिचार्ज के लिए मानदेय मिलेगा। इस संबंध में सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं।

श्रीमती कंगाले ने बताया कि बीएलओ को गरूड़ एप में बूथ में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, रैम्प जैसी आवश्यक सुविधाओं की फोटो अपलोड करनी है, जिससे मतदाताओं के लिए बूथ में सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैय्या करायी जा सकें। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी आवश्यक जानकारी फीड करने के लिए 30 नवम्बर तक समय दिया है। निर्वाचन का काम सर्वाधिक महत्व का काम है। निर्वाचन पूर्व तैयारी और मतदान केंद्रों पर नागरिकों के लिए न्यूनतम सुविधाएं दी गई जानकारी के आधार पर ही सुनिश्ति की जानी है, इसलिए सभी बीएलओ निर्धारित समय सीमा में सभी एन्ट्री करना सुनिश्चित करें।

श्रीमती कंगाले ने बीएलओ से उनकी समस्याओं पर बातचीत करते हुए उनका समाधान किया और बताया कि गरूड़ एप मोबाइल में 10 एम.बी. से भी कम स्पेस लेता है। इसे आसानी से अपलोड किया जा सकता है।

स्टील कारोबारी की फैक्ट्री में 4 लाख की चोरी

■ **ताला तोड़कर उड़ाई रक़म**

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के एक स्टील कारोबारी के ठिकाने पर चोरों ने धावा बोला है। शहर के घनी आबादी वाले इलाके भाठागांव में स्थित गंगा स्टील इंडस्ट्री में चोरों ने लाखों की नकदी पर हाथ साफ़ कर दिया। इसकी जानकारी मालिक को तब हुई जब वो सुबह अपनी फैक्ट्री में पहुंचा। फैक्ट्री पहुंचने पर उसे वहां के शटर का ताला टुटा हुआ मिला। जिसके बाद उसने अंदर जाकर जाँच पड़ताल की तो गल्ले में रखे लगभग चार लाख रुपए की चोरी हो चुकी थी। इस मामलें की जाँच में जुटी पुराबी बस्ती पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना बुधवार गुरूवार दरम्यानी रात की है। जब अज्ञात चोरों ने वर्ल्ड फोर्ट निवासी अभिषेक अग्रवाल की फैक्ट्री गंगा स्टील इंडस्ट्री में चोरी की घटना को अंजाम दिया। यहाँ चोरों ने रात के अंधेरे में 4 लाख नगदी पर हाथ साफ़ कर दिया। गुरूवार की सुबह जब अभिषेक अग्रवाल फैक्ट्री पहुंचा तो उसे शटर का ताला टूटा हुआ नज़र आया। जिसके बाद अभिषेक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। फिलहाल इस मामलें में पुलिस ने शिकायत दर्ज़ कर मामलें की छानबीन शुरू कर दी है।

रियायत — इन्द्रप्रस्थ के ईडब्लूएस फ्लैट्स आवंटितियों को 91 हजार की सबसिडी मिलेगी

रायपुर विकास प्राधिकरण संचालक मंडल के जनहित में निर्णय

■ **रिक्त पुराने फ्लैट्स का आवंटन प्रथम आया प्रथम पाया के आधार पर**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर विकास प्राधिकरण में छत्तीसगढ़ शासन व्दारा नियुक्त दो उपाध्यक्षों और संचालक मंडल के चार नए सदस्यों की नियुक्ति के बाद आज पहली बार संचालक मंडल की बैठक हुई। बैठक में कमल विहार योजना के अंतर्गत अवैध रोड-रास्ते की सूची में शामिल 31 भूमि स्वामियों को पुनर्गठित भूखंड प्राप्त करने 28 फरवरी 2021 तक समय दिए जाने, हीरापुर, रायपुरा व बोरियाखुर्द योजना में रिक्त पुराने फ्लैट्स को प्रथम आया प्रथम पाया के आधार पर आवंटन करने, इन्द्रप्रस्थ फेज - 2 रायपुरा 1472 ईडब्लूएएस फ्लैट्स के आवंटितियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत केन्द्र शासन से प्राप्त सबसिडी की राशि की पहली किस्त 91 हजार रुपए की राशि दिए जाने तथा प्राधिकरण के चार कर्मचारियों के निधन के कारण उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सुभाष धुप्पड़ की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में नवनियुक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋतुराज रघुवंशी सहित नए उपाध्यक्ष सूर्यमणि मिश्रा व शिव सिंह ठाकुर, नए अशासकीय संचालक सदस्य राजेन्द्र पप्पू बंजारे. ममता रॉय, हिरेन्द्र देवांगन उपस्थित थे।

संचालक मंडल की बैठक में कमल विहार योजना के अंतर्गत अवैध रोड- रास्ते की सूची में शामिल 31 भूमि स्वामियों को पुनर्गठित भूखंड देने का समय बढ़ा कर 28 फरवरी 2021 तक किया गया है। इस हेतु अवार्ड पारित भूस्वामियों को पारित अवार्ड की राशि, सर्विस चार्ज एवं ब्याज देना होगा।

प्राधिकरण की डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आवास योजना हीरापुर, रायपुरा व बोरियाखुर्द योजना के अतंर्गत पूर्व में निर्मित फ्लैट्स जिनकी किस्तों का भुगतान नहीं करने के कारण खाली किए 261 फ्लैट्स का पुनः आवंटन किया जाना है। फ्लैट वर्तमान मे जैसी स्थिति में है वैसी स्थिति में विक्रय किए जाएगें। न्यून निम्न आय वर्ग के लिए निर्मित इन फ्लैट्स की कीमत 3.31 लाख से 3.61 लाख तक है। पहले ये लॉटरी के आधार पर आवंटित किए जाते थे लेकिन अब इनका आवंटन प्रथम आया प्रथम पाया के आधार पर आवंटन किए जाने के प्रस्ताव को संचालक मंडल के सदस्यों ने अपनी स्वीकृति प्रदान की। आवंटन के समय इन फ्लैट्स की राशि जमा करने हेतु तीन माह का समय दिया जाएगा। बैठक में कमल विहार योजना में बाह्य विद्युतीकरण हेतु 33/11 किलोवाट के विद्युत उपकेन्द्र के सब स्टेशन निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी को 1200 वर्गमीटर की भूमि एक रुपए के टोकन राशि में दिए जाने के प्रस्ताव को संचालक मंडल ने स्वीकृति प्रदान की।

संचालक मंडल की बैठक में इन्द्रप्रस्थ फेज - 2 रायपुरा में नवनिर्मित 1472 ईडब्लूएएस फ्लैट्स के आवंटितियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत केन्द्र शासन से प्राप्त सबसिडी की राशि में से आवंटितियों को 91 हजार रुपए की राशि दिए जाने के प्रस्ताव भी पारित किया गया।

संपादकीय

टकराव के रास्ते पर टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने संसद सत्र के शुरूआत के दिन 29 नवंबर को नई दिल्ली में एक बार फिर टैक्टर रैली निकालकर संसद जाने की घोषण की है। जबकि अब इस तरह के किसी भी आंदोलन का कोई औचित्य नहीं रह गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रकाश पर्व के दिन उन तीनों नए कृषि कानूनों को वापस लेने की जो घोषणा की थी उस पर उन्होंने अमल भी शुरू कर दिया है। मोदी कैबिनेट की बैठक में इन तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। इसके बाद तो राकेश टिकैत का संदेह दूर हो जाना चाहिए। लेकिन वे अभी भी पीएम मोदी की बात पर भरोसा नहीं कर रहे हैं और न ही सरकार के साथ टकराव का रास्ता छोड़ने के लिए तैयार है। संसद के आगामी सत्र में इन तीनों कृषि कानूनों का रद्द होना तय है। क्योंकि सरकार इसे रद्द करने का प्रस्ताव ला रही है और तमाम विपक्षी पार्टियां जो इन कृषि कानूनों के खिलाफ भी वे भी इसे रद्द करने के प्रस्ताव का आंख मूंद कर समर्थन करेंगी। इसका मतलब साफ है कि भारी बहुमत से ये तीनों कृषि कानून संसद के इसी सत्र में रद्द हो जाएंगे। इसके बावजूद राकेश टिकैत किसानों के आंदोलन को खत्म करने के लिए तैयार नहीं है। अब वे न्यूतम समर्थन मूल्य घोषित करने, साथ लगभग साढ़े सात सौ किसानों की मौत के मामले में मुआवजा देने उनका स्मारक बनाने और पलारी जलाने वाली रोक हटाने तथा बिजली आदि के मुद्दे को लेकर आंदोलन को आगे बढ़ाने की बात कर रहे हैं। जबकि लगभग एक साल चले इस किसान आंदोलन में सरकार की ओर से आंदोलित किसानों के उपर न तो एक भी गोली चलाई गई और ना ही उन पर लाठियां बरसाई गई इसके बावजूद लगभग साढ़े सात सौ किसान आखिर कैसे शहीद हो गए। इस बारे में न तो किसान नेता कुछ बता रहे हैं और ना ही मीडिया में इस मुद्दे पर बहस हो रही है। राकेश टिकैत आंदोलन के नाम पर हुडदंग मचाने वाले किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए मुकदमों को खत्म करने की मांग तो कर रहे है लेकिन उन सैकड़ों पुलिस कर्मचारियों का क्या जो किसानों के उग्र आंदोलन के दौरान घायल हुए थे। किसानों के बॉडर पर धरना देने के कारण लोगों को जो दिक्कतें हुई लोगों का व्यापार ठप्प हुआ और कई लोगों की नौकरी चली गई। उसकी भरपाई कौन करेगा। क्या राकेश टिकैत इसका हरजाना देंगे। बहरहाल किसान आंदोलन का लंबा चलना किसी के हित में नहीं है। जब किसानों की मुख्य मांग पूरी हो चूंकि है तो अब किसानों को दिल्ली के बॉडर से हट जाना चाहिए। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अरमिंदर सिंह ने सही कहा है कि मोदी कैबिनेट द्वारा इन तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने की मंजूरी मिलना किसानों की जीत है और अब उन्हें बॉडर से हटकर अपने खेतों की ओर लौट जाना चाहिए। किन्तु राकेश टिकैत पता नहीं क्यों अपनी हटधर्मिता पर अड़े हुए है और किसान आंदोलन को जारी रखने के लिए नई-नई मांग सामने लेकर आ रहे हैं। उन्हें बेशक आंदोलन का अधिकार है लेकिन अब अगर आंदोलन के नाम पर हुडदंग मचाया गया तो सरकार को उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने में संकोच नहीं करना चाहिए और ऐसे किसी आंदोलन के कारण सरकारी या नीजि संपत्ति को कोई छति पहुंचती है तो उसकी भरपाई इन आंदोलनजीवियों से की जानी चाहिए।

विचार

प्रवासी पक्षियों ने डाला डेरा

सहारनपुर मंडल के प्रमुख हैदरपुर वेटलैंड पर इस बार नवंबर माह के पहले पखवाड़े में ही 19 हजार के करीब प्रवासी पक्षियों ने डेरा डालकर पक्षी विशेषज्ञों को चौंका दिया हैं। पूर्व कमिश्नर और वर्तमान में प्रदेश के वित्त सचिव संजय कुमार ने इस हैदरपुर वेटलैंड की स्थापना करीब दो साल पहले की थी। वन विभाग के मंडलीय संरक्षक वीके जैन की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। 12 नवंबर को बर्डमैन माने जाने वाले डा. सालिम अली के जन्मदिवस 12 नवंबर को यहां प्रवासी पक्षियों की गणना की गई थी। डब्ल्यूडब्ल्यूएएफऔर वन विभाग ने पक्षियों की गणना कराई थी। 121 प्रजाति के 18 हजार 242 पक्षी 12 नवंबर तक पहुंच चुके थे और ठंडे इलाकों से इन पक्षियों के हैदरपुर वेटलैंड पहुंचने का सिलसिला तेजी से जारी है। डब्ल्यूडब्ल्यूएएफके कोआर्डिनेटर शाह नवाज, निखिल जान और यूपीएफ्टी के मोहन ने बताया कि इन पक्षियों में कई दुर्लभ प्रजाति के पक्षी भी शामिल हैं। पक्षी विशेषज्ञ आशीश लोया ने बताया कि नवंबर के आखिरी तक बड़ी संख्या में और प्रवासी पक्षी हैदरपुर वेटलैंड पहुंच सकते हैं। सहारनपुर के कमिश्नर डा. लोकेश एम ने बताया कि वह शीघ्र ही हैदरपुर वेटलैंड के इन मनोरम दृश्यों को देखने जाएंगे और वहां की व्यवस्था का भी निरीक्षण करेंगे। कमिश्नर डा. लोकेश एम ने कहा कि वरिष्ठ आईएएस एवं वित्त सचिव संजय कुमार ने उत्तर प्रदेश में दर्जनों दुर्लभ किस्म के वेटलैंड विकसित कराएं हैं। संजय कुमार उच्च श्रेणी के पक्षी विशेषज्ञ और जंगली जानवरों के फोटोग्राफर भी हैं एवं पर्यावरण में उनकी गहरी रूचि है। पक्षी एवं पर्यावरण प्रेमियों ने कहा कि संजय कुमार ने सहारनपुर मंडल में गंगा बैराज पर वेटलैंड की स्थापना करके जहां प्रवासी पक्षियों का हित साधा है वहीं पक्षी प्रेमियों को भी अनुपम भेंट प्रदान की है।

मोदी-योगी की जुगलबंदी इसलिए है जरूरी

विष्णु गुप्ता

जब कोई पार्टी बड़ी होती है, सरकार में होती है और पार्टी को यह लगता है कि उसके कार्यकर्ताओं और सांसदो-विधायकों में आक्रोश है तो फिर उसका प्रबंधन भी करती है। प्रधानमंत्री भी यही चाहते हैं कि उनकी पार्टी में अनुशासन बना रहे और आक्रोश भी नियंत्रण में रहे। यूपी में भाजपा विधायकों के आक्रोश पर भाजपा के संगठन मंत्री बीएल संतोष ने लखनउ में मंत्रणा की थी, विधायकों और कार्यकर्ताओं में आक्रोश को जांचा परखा था। बीएल संतोष ने नाराज विधायकों और कार्यकर्ताओ को मनाया भी था और योगी को नाराज विधायकों और कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करने के लिए कहा था। यह भाजपा की सामान्य प्रक्रिया थी। पर मीडिया और विपक्षी दलों में यह अफवाह फैला दी गयी कि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह मिलकर योगी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटवाना चाहते हैं। इसीलिए बीएल संतोष लखनउ से विधायकों और कार्यकर्ताओं की भावनाओं पर एक रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री को सौंपी है।

मोदी-योगी की जुगलबंदी से युक्त एक फोटो मात्र ने राजनीति-मीडिया में तहलका मचा दिया। राजनीति में भी इस फोटो की खूब चर्चा हुई, सोशल मीडिया में तो यह फोटो एक तरह से तहलका ही मचा कर रख दिया। दो राजनेताओं के एक साथ एक फोटो इतना बड़ा तहलका मचा देगा, इसकी उम्मीद या इसकी संभावनाएं बहुत ही कम होती है। यह फोटो देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का था। फोटो की विशेषता सिर्फ इतनी थी कि नरेन्द्र मोदी अपना हाथ योगी आदित्यनाथ की पीठ पर रख कर चल रहे थे। आमतौर पर ऐसे फोटो देखने को मिलते ही रहते हैं। एक दल के दो राजनीतिज्ञ या फिर अन्य दलों के दो नेता भी इस तरह के फोटो खीचवाते ही रहते हैं। लेकिन यह फोटो कुछ अलग ही है और माना भी गया। यही कारण है कि इस फोटो ने राजनीति और सोशल मीडिया में तहलका मचाने का काम किया। राजनीति में भी इस फोटो के अर्थ खोजे गये और सोशल मीडिया में भी इस फोटो के अर्थ खोजे गये। सभी के अपने-अपने तर्क थे और सभी ने अपने-अपने दृष्टिकोण से इस फोटो के भवार्थ खोजे। यह भी उल्लेखनीय है कि कुछ विरोधी संवर्ग इस फोटो को अपनी आलोचना का आधार बनाने की कोशिश की और अपनी कुदृष्टि फेंकी, अपना विकार फेंका। विरोधी संवर्ग का विकार और कुदृष्टि थी कि यह फोटो मोदी के तानाशाही रवैये को प्रमाणित करता है, एक सन्यांषी के पीठ पर हाथ रख कर चलना असभ्यता की पहचान है, सन्यासी और गेरूआ वस्त्र का अपमान है। विरोधी संवर्ग तो मोदी की आलोचना का कोई अवसर ऐसे भी नहीं छोड़ता है। इसलिए विरोधी संवर्ग की ऐसी आलोचनाएं कोई अस्वाभाविक नहीं बल्कि स्वाभाविक ही मानी जानी चाहिए। योगी की उम्र मोदी से 20 साल से भी ज्यादा छोटी है। योगी सन्यासी हैं पर मोदी भी कभी सन्यासी के तौर पर ढाई साल हिमालय में साधना कर चुके हैं।

अब इस प्रश्न पर विचार करने की जरूरत है कि क्या यह फोटो भारतीय राजनीति को कोई संदेश देने में सफल रहा है, क्या इस फोटो में यूपी चुनाव की कोई रणनीति है, क्या इस फोटो में यूपी चुनाव में भाजपा की जीत का कोई गणित है? क्या इस फोटों में भाजपा विरोधी वैसी पार्टियों की राजनीतिक संभावनाओं को कुचलने जैसी शक्ति निहित है? क्या वैसे दलों और नेताओं की इच्छाओं पर यह फोटो कुठराघात करता है जो नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के बीच अलगाव और राजनीतिक वर्चस्व के युद्ध की आशंका पाल कर रखे थे? क्या इस फोटो से भाजपा के वैसे विधायकों की नाराजगी दूर हो गयी, क्या इस फोटो से वैसे भाजपा कार्यकर्ताओं को संतुष्ट करने का गणित बैठाया गया है जो यागी आदित्यनाथ सरकार के दौरान कोई पद नहीं मिलने और न ही नौकरशाही के भ्रष्ट आचरण के कारण उनके काम नहीं हुए थे? क्या भाजपा इस फोटों के सहारे यूपी में फिर से जीत का करिशमा कर दिखायेगी?

निश्चित तौर पर यह फोटो एक चुनावी रणनीति का हिस्सा है। यह फोटो नरेन्द्र मोदी के दिमाग की उपज है। यह फोटो कदापि तौर पर परिस्थिति जन्य नहीं है। एक रणनीति के तहत इस फोटो को खींचवाया गया है।स्थान भी राजभवन को चुना गया। इस फोटो का नरेन्द्र मोदी की कसौटी पर सीधा संदेश है कि हम यूपी में साथ-साथ हैं, अलग नही हैं। अलग-अलग देखने वाले और ताल देकर अलग-अलग करने का सपना देखने वाले समझ लें। साथ ही साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी संदेश दे दिया गया है कि नाराजगी दूर कर लीजिये। साथ-साथ मिलकर चुनाव जीतना है।

इधर कुछ समय से नरेन्द्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के बीच मनमुटाव और वर्चस्व की खबरें आम हो रही थी। राजनीति में भी यही बात फैलायी गयी थी कि योगी आदित्यनाथ और नरेन्द्र मोदी के रास्ते अलग-अलग हैं, इनके बीच मनमुटाव चरम पर है, इनके बीच पार्टी पर वर्चस्व की आग लगी हुई है। नरेन्द्र मोदी अब योगी आदित्यनाथ के सामने बौने साबित हो रहे हैं, इसलिए कि आरएसएस का हाथ योगी आदित्यनाथ के सिर पर है, आरएसएस अब यह नहीं चाहता कि नरेन्द्र मोदी की तानाशाही छबि और भी बढे, नरेन्द्र मोदी का पार्टी पर दबदबा और बढे। यह भी अफवाह फैलायी गयी थी कि नरेन्द्र मोदी के सामने आरएसएस बौना साबित हो गया है, नरेन्द्र मोदी की सरकार में आरएसएस की एक नहीं चल रही है। आरएसएस अब मोदी से छूटकारा पाना चाहता है, मोदी से छूटकारा पाने के लिए आरएसएस को एक बड़ी शख्सियत की जरूर है। आरएसएस की खोज इस निमित योगी आदित्यनाथ तक पहुंच कर समाप्त हो जाती है। नरेन्द्र मोदी आम तौर पर मुख्यमंत्रियों के जन्मदिवस पर बधाइयां देते रहे हैं। अपनी पार्टी के मुख्यमंत्रियों को ही नहीं बल्कि विपक्ष के मुख्यमंत्रियों को भी जन्म दिवस की बधाइयां देना नहीं भूलते हैं। पिछले पाच जून को योगी आदित्यनाथ का जन्म दिवस था पर नरेन्द्र मोदी ने योगी आदित्यनाथ को जन्म दिवस की बधाइयां नहीं दी थी। उस समय यह प्रश्न काफी तेजी से उठा था। पर जन्म दिवस पर बधाइयां नहीं देने का कारण में वर्चस्व या फिर घृणा जैसी कोई बात नहीं थी। उस समय कोरोना की लहर तेज थी और देश भर में कोरोना से मुत्यु भी भयंकर हो रही थी। इसी कारण नरेन्द्र मोदी ने योगी आदित्यनाथ के जन्म दिवस पर बधाइयां नहीं दी थी। अगर वे योगी को बधाइया दे देते तो फिर विपक्ष दूसरा आरोप यह जड़ देता कि नरेन्द्र मोदी असभ्य है, असंवेदनशील हैं। कोरोना से मृत्यु के प्राप्त नागरिकों के लिए इनके पास समय नहीं है और अपने मुख्यमंत्री को जन्म दिवस की बधाइयां देने और मनाने में लगे हैं। भारत जैसे देश में जहां पर राजनीति की हर क्रिया पर तेज प्रतिक्रिया होती है वहां पर राजनेताओं को संयम बरतने की जरूरत होती है, काफी सोच समझ कर कदम उठाने होते हैं। नरेन्द्र मोदी इस जरूरत को समझने वाले राजनीतिज्ञ तो जरूर हैं।

सबसे बडी वजह पार्टी का अनुशासन और योगी आदित्यनाथ सरकार की कार्यशैली भी रही है जिससे नाराजगी और अफवाह फैलती रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार की कार्यशैली बहुत ही शख्त रही है। पिछले कई सरकारों की अपेक्षा योगी आदित्यनाथ की सरकार बेहतर रही है। कानून व्यवस्था के मोर्चे पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की उपलब्धियां बेमिसाल रही हैं। जिस उत्तर प्रदेश को लूट, मार, हत्या और डकैत का राज्य घोषित कर दिया गया था उसी उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की शख्त कानून व्यवस्था से अपराधी डर से थरथर कांपने लगे हैं। अपराधी अपनी जमानत तोड़वा-तोड़वा कर खुद जेल जा रहे हैं। ऐसा इसलिए अपराधी कर रहे हैं कि उन्हें जेल से बाहर रहने के दौरान पुलिस एनकांउटर में मारे जाने का भय सता रहा है। यूपी पुलिस ने सैकड़ों अपराधियों का एनकांउटर किया।

एमएसपी कानून की राह आसान नहीं

तारकेश्वर मिश्र

बिजली सहित कृषि उपकरणों एवं अन्य चीजों पर मिलने वाली सब्सिडी के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी सुरक्षा तभी सम्भव है जब कृषि उत्पादन और जरूरत के बीच समन्वय हो सके और निर्यात की ठोस योजना हो। खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में किसानों के योगदान को भुलाना एहसान फरामोशी होगी। लेकिन असली किसान और फार्म हाउस वाले उन किसानों के बीच अंतर तो करना पड़ेगा जो अपने काले धन को सफेद करते हैं और वह भी बिना आयकर चुकाए। संसद में भी अनेक ऐसे सदस्य किसान होने का दावा करते हैं जो कभी खेत में घुसे तक नहीं होंगे।

पिछले हफ्ते विवादित कृषि कानून वापिस लेने की जो घोषणा के बाद लग रहा था कि किसान आंदोलन खत्म हो जाएगा। और आंदोलनकारी किसान अपने घरों को वापस लौट जाएंगे। लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा सोच रहा है कि उ.प्र. और पंजाब के विधानसभा चुनाव को देखते हुए दबाव बनाकर अन्य मांगें भी पूरी करवाई जा सकती हैं। इसका संकेत प्रधानमंत्री को प्रेषित पत्र से मिला जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी शक्ल देने के साथ ही बिजली और पराली संबंधी कानून बदलने के अलावा आन्दोलन के दौरान मारे गये किसानों के परिवारों को मुआवजा और पुनर्वास की मांग भी है। किसान आंदोलनकारियों की सबसे प्रमुख है न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी शक्ल देने की।

ये वह मुद्दा है जिसका सतही तौर पर तो सभी दल समर्थन करते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद इससे कन्नी काट लेते हैं। इससे पहले भी जो सरकारें केंद्र में रहीं उनमें कृषि से जुड़े अनेक नेता थे। उनमें से शरद पवार तो कृषि मंत्री भी रहे । एचडी देवगौड़ा भी प्रधानमन्त्री बनने के बाद खुद को विनम्र किसान कहते थे लेकिन उन्होंने भी इस बारे में कुछ नहीं किया। किसान नेताओं का ये आरोप गलत नहीं है कि गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए श्री मोदी ने भी न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी बना देने की पैरवी की थी। किसानों की आमदनी बढ़ाने के पक्षधर अनेक अर्थशास्त्री भी मानते हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए सरकार और व्यापारियों को कानूनी तौर पर बाध्य किये जाने से अनेक समस्याएँ जन्म लेंगी। वर्तमान में सरकार समर्थन मूल्य घोषित कर उस पर खरीदी करती है। लेकिन किसान चाहते हैं कि व्यापारी को भी उसी मूल्य पर अनाज खरीदने कानूनी तौर पर बाध्य किए जावे। सुनने में तो ये मांग बहुत ही वाजिब लगती है लेकिन भारत के आर्थिक ढांचे में इसे समाहित कर पाना संभव नहीं लगता क्योंकि 80 फीसदी किसान लघु और मध्यम श्रेणी के होने से बाजार तक पहुंच नहीं पाते और व्यापारी उनसे सीधे खरीदी कर लेते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति भी इतनी अच्छी नहीं होती कि वे जरा सा भी इंतजार या मोलभाव कर सकें। इसी तरह सरकार भी अपनी जरूरत की खरीदी ही करेगी जिसके बाद किसान को खुले बाजार में विक्रय करने पर सरकार द्वारा तय की गई कीमत का मिलना व्यवहारिक तौर पर संभव नहीं होगा। साल दर साल अन्न का उतपादन बढ़ते जाने के पीछे सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य का ही आकर्षण है। लेकिन ज्यादा अनाज खुले बाजार में आने के बाद उसके दाम मांग और पूर्ति के सिद्धांत के अनुरूप ही तय होंगे। उस स्थिति में व्यापारी यदि किसान से खरीदी न करे तब उसे मजबूरन कम दाम पर विक्रय करना होगा। इसी तरह सभी कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निश्चित करने की मांग पूरी होने के बाद भी लागू नहीं हो पायेगी। अनेक कृषि विशेषज्ञों ने इस बारे में कहा है कि किसान को फसल का अर्थशास्त्र समझना होगा। तकनीक आधारित उन्नत खेती का चलन शुरू होते ही अधिकतर किसान एक ही अनाज का अधिकतम उत्पादन करने लगे। खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता हो जाने के बाद अतिरिक्त उत्पादन का निर्यात ही एकमात्र रास्ता बच रहता है लेकिन तब गुणवत्ता और ग्रेडिंग की जरूरत पड़ती है। और फिर सारे के सारे कृषि उत्पादन सरकार खरीदे ये नामुमकिन है क्योंकि वह सार्वजानिक वितरण प्रणाली के साथ ही आपातकालीन भण्डारण हेतु ही खरीदी करती है। ऐसे में किसान को सरकार पर पूरी तरह निर्भर न रहते हुए अपनी क्षमता का सही उपयोग करना होगा। आन्दोलन के दबाव में हो सकता है सरकार उनकी मांगें स्वीकार कर भी लेकिन उनको अमल में लाना आसान न होगा।

जिन इलाकों में गन्ना ज्यादा होता है वहां के किसान चीनी मिलों से समय पर भुगतान नहीं मिलने के कारण परेशान रहते हैं। अब गन्ने से एथनाल बनाकर उसका वैकल्पिक उपयोग प्रारम्भ किया जा रहा है जिसके बाद किसानों की समस्या काफी हद तक सुलझ जायगी किन्तु गेंहू, धान, चना, दलहन और तिलहन को सरकार किस सीमा तक खरीद सकेगी ये बड़ा सवाल है। किसानों की आय बढ़े ये सभी चाहते हैं लेकिन केवल उनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय हों तो बाकी उत्पादक भी आज न सही भविष्य में इस हेतु दबाव बन सकते हैं। वैसे भी मुक्त अर्थव्यवस्था और उदारवाद के दौर में बाजार को नियंत्रित करना सरकारों के बस में नहीं रह गया है। कृषि को उद्योग का दर्जा देने की मांग भी लगातार उठती है लेकिन क्या बड़े किसान आयकर के दायरे में आने को तैयार होंगे?

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

ये माना तुम हमारे शहर के हो हमें

ये माना तुम हमारे शहर के हो हमें तो फ़ेसबुक पर ही मिले हो खुशी से देते हम नंबर हमारा अगर कहते कि दूजे गाँव से हो हमें अपनों की हर ख़ामी पता है। जताना छोड़ दो, मासूम से हो उसी मिट्टी में खेले थे कभी हम जहाँ तुम आज क़ाबिज़ हो रहे हो सिखाये हमने ही थे दाँव सारे जिन्हें तुम आज हम पर चल गये हो।

ममता लड़ीवाल

लूटेरों के अपने को राजा घोषित करने

लूटेरों के अपने को राजा घोषित करने से वे राज परिवार के नहीं हो जाते उनकी असलियत सामने आ ही जाती है। चाहे सदियों से वे राज करते आ रहे हों।

नवीन शंकर शर्मा

ख़ास पाती

ये जो मन की इच्छाएं किसी

ये जो मन की इच्छाएं किसी रफ़्तार में रेल हो जाना चाहती है कि अचानक उम्मीदों की कुछ बोगी पटरी से उतर जाती हैं ऐसी यात्राएँ सारी हरी झंडी पार नहीं कर पाती बीच में ही कहीं कुछ नीले डिब्बे, लाल हो जाते हैं यात्राएँ स्थगित न होकर तब दुर्घटनाग्रस्त हो जाती हैं और यात्री जखूमी होकर स्थगित यात्राओं पर अपनी अगली यात्रा जारी रखता है जैसे जारी रहता है श्वास का चलना मन के स्थगित होने पर भी ये इच्छाओं की यात्रा पर मन का मुआवजा होता है । **अनामिका चक्रवर्ती**

कुछ मुखतलिफ़ सा होता

कुछ मुख़ूतलिफ़ सा होता है रुसवाई का मज़ा, कमज़र्फ जाने होना क्या शैदाई का मज़ा। भरपूर नींद ले के जब उठ्ठे मेरे हुज़ूर, चुपचाप खिड़की से लिया अँगड़ाई का मज़ा। परबत ये इश्क का यूँ ही होता नहीं फतेह, चढ़ने ही वाला पाता है ऊँचाई का मज़ा। जायज़ नहीं है हिज़्र को कहना बुरा-भला, शामिल है इसमें यादों की रानाई का मज़ा। दुनियाँ में हमने देखे कई कमनसीब भी, हासिल नहीं हुआ जिन्हें शहनाई का मज़ा। मिलते हैं दुर-ओ-लाल समुंदर में डूबकर, साहिल नहीं दे सकता है गहराई का मज़ा। 'राहत' अदब की दुनिया में ऐसे भी हैं अदीब, मिलता हसद में जिनको तवानाई का मज़ा। **सुभाष राहत बरेलवी**

कृषि उपज की खरीद एमएसपी

कृषि उपज की खरीद एमएसपी कानून के तहत हो, इस पर कोई सरकार अमल नहीं कर सकता... सरकार किसानों की पूरी उपज ना खरीद सकती है... ना निजी व्यापारियों को इसके लिए मजबूर कर सकती है... निजी व्यापारी ऐसा करके घाटा उठाने के बजाय अनाज आयात करेंगे..! **कुमार संतोष**

जन्मदिवस में ऐसा क्या होता

जन्मदिवस में ऐसा क्या होता है न मालूम, कि ऊर्जा छलक छलक जाती है। शायद ईश से मिलन के दिनों का कम होना ही कारण हो। कल आभासी संसार के आभास की ऊर्जा से भरे रहे हम और जिसमें फ़ोन की लगातार बजती घंटी ने इज़ाफ़ा किया।धन्यवाद तो भारतीय पोस्टल सर्विस का भी कम नहीं, कि हमारी ÷हेतवी÷ कल पूरे भारत के अलग अलग शहरों में पहुँची। घर में फ़ोन भूल कर चले तो गए मगर जब घर लौटे तो मिस्ड कॉल ने भी इतना ऊर्जान्वित किया कि क्या बताएँ। सोचती हूँ कितना अच्छा हो, हर मनुष्य रोज़ ही इसी ऊर्जा में रहे। दोस्तो, आप सब ने अपनी ऊर्जा से मुझे मेरे जन्मदिवस पर , ऊर्जान्वित रखा, आप सब का बहुत बहुत शुक्रिया। नमन है मेरा उन सब को जिन्होंने मेरे लिए समय निकाला, दुआएँ दीं और मुझे खुशियों के पुष्पों से सजाया। **शुचि 'भवि'**

सुखद भोर की बेला मे बहे शीत

सुखद भोर की बेला मे बहे शीत बयार गंगा की लहरों में गति पकड़ ली रफ्तार भर भर श्वास अंतस की कर भूल स्वीकार प्रकृति का संग अनूठा मिटे चित विकार हवा सा हल्का चित लिए करे आत्म विस्तार हनु मेरा शौर्य बने विनम्र उन्हें प्रणाम। **मेनका त्रिपाठी**

आज फिर तुम्हारी यादों की परछाई

आज फिर तुम्हारी यादों की परछाई ने मुझे घेर लिया है एक लंबी सांस...और मन जा पहुँचा स्मृतियों की गहराई में जो बीते दिनों की सुखद यात्रा रही थी खामोश हो गया है ये पल बैठी हूं मौन के संग कोशिश कर रही शब्दों के सहारे उन लम्हों में रंग भरने की जो वक्त की दूरियों में धुंधली पड़ चुकी है ढलता शाम वैसे भी तन्हाईयां बुनता है ये सभी जानते हैं देखों न ! मेरा भी दर्द बढ़ चुका है तुम्हारे लिए लेने लगा है आकार आसुंओ की शक्ल में उफ ! मैं रोना नहीं चाहती तुम्हें सावन का मधुर झोंका समझ मुस्कुराना चाहती हूं.....समझे ! **बबली सिन्हा**

QUIZ TIME

1) मरूस्थलीय प्रदेश का कौन-सा जीव, जो ठोस मूत्र उत्सर्जित कर जल को संरक्षित करता है तथा जन्म से मृत्यु तक बिना पानी पिये भी जीवित रह सकता है?

2) कर्नाटक के शिमोगा जिले में भारत का कौन-सा सबसे ऊँचा जल प्रपात वाराही नदी पर स्थित है?

3) भारत में डॉलर-रूपया विनिमय दर किस पर निर्भर करता है?

4) 2020 टोक्यो ओलम्पिक में कौन-सी नए खेलों को शामिल किया गया है?

5) ऐसे पौधे, जो शुष्क स्थिति को टालते हैं, उन्हें क्या कहा जाता है?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) कंगारू चूहा (2) कुंचीकल (3) मांग-आपूर्ति संतुलन पर (4) कराटे, स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और स्पोर्ट क्लाइंबिंग (5) जीरोफाइट्स

आज का इतिहास

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 26 नवम्बर की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैः- 1885- पहली बार उल्कापिंड की तस्वीर ली गयी।

1923- हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध सिनेमेटोग्राफ़र वी के मूर्ति का जन्म।

1926- भारत के मशहूर वैज्ञानिक और शिक्षाविद यशपाल का जन्म।

1932- ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डॉन ब्रैडमैन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दस हजार रन बनाये।

1948- नेशनल कैडेट कोर की स्थापना हुई।

1949- आजाद भारत के संविधान पर संविधान सभा के अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किए।

1960- भारत में पहली बार कानपुर और लखनऊ के बीच एसटीडी सेवा शुरु हुई।

1997- पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के दो जजों ने मुख्य न्यायाधीश को निलम्बित किया।

1998- तुर्की के प्रधानमंत्री मेसुत यिल्माज ने संसद में विश्वास मत खोने के बाद इस्तीफ़ दिया।

2002- बीबीसी के सर्वेक्षण में विंस्टन चर्चिल महानतम ब्रिटिश नागरिक चुने गये।

2008- भारत के मुंबई नगर में आत्मघाती आतंकवादी हमला हुआ।

2012- अरविंद केजरीवाल ने एक नये राजनैतिक दल आम आदमी पार्टी का गठन किया।

2014- प्रसिद्ध इतिहासकार तपन राय चौधरी का निधन।

केन्द्र सरकार ई-कॉमर्स कंपनियों में हो रही असंवैधानिक गतिविधियां बंद करें : प्रकाश रोहरा

■ **ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के खिलाफ चेम्बर और कैट ने दिया एक दिवसीय धरना**

गरियाबंद। बुधवार को कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स और चेम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के दुरुपयोग बंद करने की सहित अन्य मांगो को लेकर नगर के व्यापारियों ने चेम्बर अध्यक्ष प्रकाश रोहरा के नेतृत्व में स्थानीय गांधी मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापारियो केन्द्र सरकार से ने ई-कामर्स कंपनियो के असंवैधानिक गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। इस संबंध में व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन भी सौंपा। इसके अलावा फुटवेयर और टेक्सटाइल की दर 5 से 12 प्रतिशत किए जाने का भी विरोध किया गया।

इस दौरान चेम्बर ऑफकामर्स के अध्यक्ष प्रकाश चंद रोहरा ने बताया कि अमेंजान अमेंजान कंपनी कमीशन के लालच में भारतीय ई-कामर्स प्लेटफार्म का दुरूप्रयोग कर प्रतिबंधित ड्रग्स गांजा जैसे नशीले पदार्थ बेचते पाई गई जिसका खुलासा हाल में ही मध्यप्रदेश की प्रतिभाशाली पुलिस की टीम ने किया है। इसके अलावा भी ऐसी कई प्रकार की शिकायत मिलते रही है। 20 नवंबर को भी पुलिस ने अमेज़न ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से बेचा गया 17 किलो गांजा बरामद किया गया। मामले में अमेजन के कार्यकारी निदेशकों को आरोपी भी बनाया गया है। उन्होंने सरकार से मांग की ऐसे कंपनियों के विरुद्ध सशक्त से सशक्त कार्यवाही की जाए।

कार्यक्रम में चेम्बर ऑफ कामर्स के मंत्री विनय दासवानी ने कहा कि ई-कॉमर्स कम्पनियों की बड़ी मात्रा में कर चोरी में भी लिप्त हैं और इससे केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को जीएसटी राजस्व का भारी नुकसान हुआ है। इसकी जानकारी होने के बाद भी वित्त मंत्रालय ने चोरी को रोकने कोई कदम नहीं उठाया है। विदेशी वित्त पोषित ई-कॉमर्स कंपनियां लगातार एफडीआई नीति और नियमों का उल्लंघन कर रही हैं, हमारी मांग है कि केन्द्र सरकार इसके विरूध्द जल्द से जल्द कार्यवाही करे।

धरना प्रदर्शन के बाद व्यापारियों ने अनुविभागीय कार्यालय पहुँच कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रमुख रूप चेम्बर के संरक्षण ललित पारख, नंदरेश गुप्ता, नीतेश ठक्कर, विकास पारख, सुरेश गुप्ता, उमेश सिंग, कुलदीप खरे, विजय साहू, चित्रसेन साहू, निखिल साहू, रेमंत देवांगन सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे।

■ न्यूज गैलरी

पट्टा मिलने की खुशी, पार्षद तुलसी पटेल ने घर-घर बांटी मिठाई विधायक और सीएम का जताया आभार

भिलाई। छावनी क्षेत्र के नागरिकों को भी पट्टा का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए सीए म ने पहल कर दी है। इसके बाद से छावनी क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। पार्षद तुलसी पटेल ने इस खुशी के अवसर पर लोगों को घर-घर जाकर मिठाईयां बांटी। क्षेत्र में जमकर पटाखे फोड़े गए और खुशियां मनाई गई। पार्षद तुलसी पटेल ने अपने वार्ड के लोगों के घर-घर जाकर इस खुशी को मनाया और सब को मिठाइयां खिलाई। इस अवसर पर तुलसी पटेल ने सब को बधाई और धन्यवाद दिया। साथ ही भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि विधायक की अथक प्रयासों से ही लोगों का वर्ष पूराना सपना पूरा होने वाला है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

विद्युत कर्मियों ने सीखी मरम्मत की बारीकी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय मुख्यालय के बहुद्देषीय भवन में किया गया। आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 16 तकनीकी कर्मचारियों यथा लाइन सहायक, तकनीषियन(वितरण), परिचारक श्रेणी-एक, परिचारक श्रेणी-दो एवं परिचारक श्रेणी-तीन को दिनांक 22 नवंबर से 24 नवंबर 2021 तक विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रषिक्षण की महत्ता पर प्रकाष डालते हुए कार्यपालक निदेषक श्री संजय पटेल ने कहा कि कर्मचारियों को समय-समय पर दक्षता एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि की आवश्यकता होती है। प्रशिक्षण का उद्देश्य यह भी है कि कर्मचारी आपस में मिलकर चर्चा करें और एक-दूसरे की बेहतर कार्यशैली को ग्रहण कर अपने कार्य को बेहतर बनाएं। प्रशिक्षण में विद्युत अधिनियम 2003, बिजली के बुनियादी स्रोत, त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम, लाईन निर्माण, नई लाईनों की कमीशनिंग, लाईन इंस्पेक्शन और रखरखाव, अर्थिंग, अर्थ टेस्टर, अर्थ रेसिस्टेंस, ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग, 33/11 केव्ही सबस्टेशन, मीटरिंग की बुनियादी बातें एवं मीटरों के प्रकार, कैपेसिटर, उपभोक्ता संबंध, लाईनमैन के दायित्व एवं कर्तव्य, उर्जा मापक, बिलिंग एवं संग्रहण विधियां एवं विद्युत चोरी की रोकथाम जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए गए। प्रषिक्षणार्थियों को कार्यपालन अभियंता श्री सतीष कुमार वर्मा, श्री के.के.श्रीवास, श्री जे.जे.प्रसाद, श्रीमती ममता कष्यप, श्री आर.के.श्रीवास्तव एवं सहायक अभियंता श्री अविनाष चौहान द्वारा प्रषिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को कार्यपालन अभियंता श्री एस.के.मिश्रा एवं कोर्स कोआर्डिनेटर श्रीमती सनीली चौहान द्वारा प्रमाण पत्र एवं टूल किट प्रदान किया गया।

'आजादी के पुरोधा' कार्यक्रम 26 को साजा में

बेमेतरा। आजादी की 75वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव के अवसर पर जिले में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 26 नवम्बर को पं. देवी प्रसाद चौबे शास. महाविद्यालय साजा में ''आजादी के पुरोधा'' के थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में आजादी के पुरोधाओं पर अधारित नृत्य नाटिका एवं दिव्यांग बच्चों द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

साजा पुलिस ने 2 सटोरियों पर की कार्यवाही

साजा। थाना साजा पुलिस को 20 नवम्बर को मुखबीर से सुचना मिली कि ग्राम साजा एवं धौराभाठा के आम जगह पर एक व्यक्ति अंको पर से रूपया-पैसो का हार-जीत का दाव लगाकर सट्टा पट्टी लिख रहे है की सूचना पर थाना साजा स्टाफ मौके पर पहुचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। आरोपी को अंको पर से रूपया-पैसो का हार-जीत का दाव लगाकर सट्टा - पट्टी लिखते रंगे हाथो पकडे गये। जिसमें 2 प्रकरण में 2 आरोपी ऋषि साहू उम्र 34 साल सकिन साजा, राकेश वैष्णव धौराभाठा थाना बेरला जिला बेमेतरा के कब्जे से नगदी रकम 35 सौ रू. एवं सट्टा पट्टी, डांट पेन जप्त कर 4 (क) जुआ एक्ट कार्यवाही की गई।

जिला पंचायत सीईओ ने जन चौपाल में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

बेमेतरा। कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ लीना मंडावी ने मंगलवार को साप्ताहिक भेंट मुलाकात जनचौपाल कार्यक्रम के दौरान जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए ग्रामीणों, से रू-ब-रू होकर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान नागरिकों ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। सीईओ ने सभी आवेदनों का अवलोकन कर शीघ्र निराकरण करने का भरोसा दिलाया। इसके अलावा संबंधित अधिकारियों को आवेदनों पर टीप लिखकर समय-सीमा के भीतर निराकरण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनचौपाल में आज विभिन्न विभागों से संबंधित 20 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर अनुविभागीय दण्डाधिकारी बेमेतरा श्री दुर्गेश वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डड़सेना कलार समाज का इतिहास गौरवशाली है : मुरलीधर सिन्हा

■ **कुण्डेल मे भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जयंती धूमधाम से मनाई गई**

गरियाबंद। ग्राम कुण्डेल मे कलार समाज का इष्ट देव भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाई गई । सर्वप्रथम कलार समाज के युवती व महिलाओं द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई । जो ग्राम भ्रमण करते कुबेर पूजा हेतु तालाब पहुंचे । उनके बाद पुनः कलश यात्रा कार्यक्रम स्थल सिन्हा भवन कुण्डेल परिसर पहुँचे । इस बीच जोरों से जयकारा लगाते रहे कार्यक्रम के अन्त में महाआरती हुई । तत्पश्चात आमंत्रित अतिथियों ने कार्यक्रम स्थल मे दीप धूप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । वहीं मंचासीन अतिथियों

का फुल माला से स्वागत सत्कार किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलार समाज गरियाबंद के पूर्व जिला अध्यक्ष मुरलीधर सिन्हा ने अपने संबोधन कहा कि भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन और माता बहादुर कलारिन का इतिहास गौरवशाली इतिहास है जिस पर हम समाज के लोगों को गर्व है, आगे श्री सिन्हा ने कहा कि कलार समाज आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से मजबूत है, परन्तु कहीं न कहीं हमारा संगठनात्मक ढांचा कमजोर है, हमें अपनो लोगों की बुराई छांटने के बजाय उनके एक अच्छाई को ग्रहण करनी चाहिये, जितना लाभ हमारे समाज को राजनीतिक क्षेत्र में मिलना चाहिए वो नहीं मिल रहा है । हम सब में एकता दिखाना ढृढ़ इच्छा शक्ति को प्रगट करना चाहिये है ,जिससे समाज मजबूत हो, हमें अपने पूर्वजों से मिले संस्कृति और संस्कार को महत्व दिया जाना चाहिए जिससे आने वाली नई पीढ़ी संस्कारवान, गुणवान और धनवान बन सकें । उन्होंने कहा कि समाज के होनहार युवाओं में प्रतिभा निखार आये सदा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, चाहे शिक्षा, चिकित्सा या अन्य क्षेत्रों के कठिन परिस्थितियों में उन्हें मदद करनी चाहिए । मुख्य अतिथि मुरलीधर सिन्हा ने आगे समाज भवन विस्तार के प्रस्ताव या निर्माण की योजना बनी तो स्वेच्छा से 5 हजार रू. देने की सहमति दी है । सफल आयोजन के लिए समिति को 2 हजार नगद अनुदान राशि प्रदाय किये । कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे डड़सेना कलार जिला गरियाबंद अध्यक्ष दीनुराम सिन्हा ने कहा कि समाज को शिक्षा पर विशेष जोर देनी चाहिये, समाज में युवक-युवती परिचय सम्मेलन कराने की माँग पर उन्होंने कहा कि बहुत जल्दी सुखद परिणाम मिलेंगे । विशिष्ट अतिथि फिंगेश्वर मण्डलेश्वर ओमप्रकाश सिन्हा ने डड़सेना कलार समाज के इष्टदेव सहस्त्रबाहु अर्जुन एवं माता बहादुर कलारिन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम कलचुरी हैहवंश के वंशज है 800 साल से हमारे पूर्वजों ने राजपाठ चलायें इसलिये हमारे इतिहास से सभी परिचित रहें, उन्होंने आशीर्वाद स्वरूप फिंगेश्वर कलार समाज की ओर से 2100/- सौ रुपये तथा कलश यात्रा में शामिल समाज के बच्चों और महिलाओं को व्यक्तिगत 500/- रुपये नगद राशि प्रदान किये । उक्त कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दुर्गा प्रसाद सिन्हा, दुर्गा राम सिन्हा, गुलाब सिन्हा, नेतराम सिन्हा, राजकुमार सिन्हा, सरपंच रामेश्वरी सिन्हा, मनहरण लाल सिन्हा ने भी समाज के गौरवशाली इतिहास पर अपने उदगार व्यक्त किये ।

जिला स्तरीय मेगा लोन मेला का आयोजन 28 को

बेमेतरा । भारत सरकार के वित्तीय सेवाएं विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान के मार्गदर्शन में जिला अग्रणी बैंक कार्यालय बेमेतरा द्वारा 28 नवम्बर 2021 को सवेरे 10 बजे क्रेडिट आउटरीच मेगा कैम्प का आयोजन बेमेतरा शहर के टाउन हॉल में किया जा रहा है। लीड बैंक प्रबंधक (एलडीएम) संतोष आयम ने बताया कि जिले के समस्त बैंक द्वारा कैम्प लगाकर सभी शासकीय योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति एवं वितरण के उद्देश्य से व्यापक ऋण मेला आयोजित किया जा रहा है। सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं जैसे स्व सहायता समूह के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, गृह ऋण, वाहन ऋण, प्रापर्टी ऋण एवं और कृषि विभाग से संबंधित मछली पालन, प्रधान मंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, स्टैंड अप इंडिया, अंत्योदय एवं आदिवासी स्वरोजगार योजना, डेयरी के अन्तर्गत किसान क्रेडिट कार्ड के ऋण प्रकरणों का त्वरित निपटान (स्वीकृति/वितरण) किया जाना प्रस्तावित है।

जिला चिकित्सालय मनाया गया राष्ट्रीय नवजात शिशु सप्ताह, उपायों की दी जानकारी

दुर्ग-भिलाई। शिशु रोग अकैडमी के अध्यक्ष एवं सचिव के सुझाव पर आयोजित राज्य स्तरीय ऑनलाइन कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के उपसंचालक डॉक्टर वी आर भगत, रायपुर मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ ओमकार खंडवाल, एम्स रायपुर के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अतुल जिंदल ने स्वास रोधन के उपाय पर प्रकाश डालते हुए शिशु की मृत्यु दर को कम किए जाने वाले विभिन्न उपायों की जानकारी दी जिसमें पूरे राज्य के डॉक्टर लाभान्वित हुए कार्यक्रम का संचालन दुर्ग भिलाई शिशु रोग एकेडमी की सचिव डॉक्टर सीमा जैन ने किया।

पूरे सप्ताह चलने वाले कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय दुर्ग के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ हेमंत साहू ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के डिलीवरी प्वाइंट में पदस्थ एएनएम को जन्म के पश्चात जो शिशु रोते नहीं है उन को पुनर्जीवन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों से प्रशिक्षित किया जिससे कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ रजनीश मल्होत्रा द्वारा प्रसव के पश्चात नवजात शिशु की सुरक्षा, समुचित देखभाल एवं स्तनपान संबंधी आवश्यक जानकारी, प्रदान की गई।

शिशु रोग विशेषज्ञ श्रीमती सीमा जैन एवं स्पेशल न्यू बर्न केयर यूनिट स्टाफ द्वारा (कंगारू मदर केयर स्टेप) दो किलो से कम या कमजोर बच्चो को माँ की छाती से लगाकर रखना और माँ का दूध न पीने वाले बच्चों को माँ के स्तन से दूध निकालकर पिलाने की विधि एवं बच्चों का समग्र टीकाकरण की जानकारी यूनिट के हेल्थ वर्कर एवं वार्ड में भर्ती शिशुओं की माताओं और उनके रिश्तेदारों को दी गई।

गोबर को धन का जरिया बनाने वालों के दिमाग में भरा है गोबर - परमेश्वर वर्मा

■ **भाजयुमो ने किया सीएम का पुतला दहन**

बेमेतरा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय के खिलाफ शर्मनाक बयानबाजी करने के विरोध में पुतला को फाँसी में लटकाकर जलाया गया। युवा मोर्चा ज़िलाध्यक्ष परमेश्वर वर्मा ने बताया कि जब से इस प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आई है, तब से मुख्यमंत्री का घमंड सातवें आसमान पर हैं। इसी कारण वह आए दिन उलूल जुलूल बयानबाजी करते रहते हैं तथा उनके मंत्री भी आए दिन उलूल जूलूल बयानबाजी कर लोगों को नीचा दिखाने का काम करते रहते हैं। इसी तारतम्य में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा भाजपा के

प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देवसाय के खिलाफ शर्मनाक बयान बाजी करने के विरोध में ज़िला युवा मोर्चा ने भूपेश बघेल का पुतला फाँसी में लटकाकर जलाया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसके दिमाग में गोबर भरा है और कौन बार-बार गोबर की तरफ अपना ध्यान आकर्षित किया हुआ हैं, यह जनता बहुत अच्छे से जानती है कि किसने गोबर को भी अपने कमाई का जरिया बनाया हुआ हैं, यह बात किसी से छुपी नहीं हैं। निश्चित रूप से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ की जनता ऐसे घमंडी और पाखंडी लोगों को माकूल जवाब देगी और समय पर देगी। इस पुतला दहन के दौरान अन्य भाजयुमो कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

किसान मोर्चा द्वारा राज्यपाल के नाम ज्ञापन

कवर्धा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय के आवाहन पर किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्यामबिहारी जयसवाल के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा भूनेश्वर चन्द्राकर के नेतृत्व में 6 सूत्री माँगो को लेकर माननीय राज्यपाल के नाम से उप्पर कलेक्टर जिला कबीरधाम को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रदेश में असमय हुई बारिश से बर्बाद हुए फसलों का आकलन कर किसानों को जल्द क्षतिपूर्ति प्रदान करें।

राज्य की कांग्रेस सरकार अपने घोषणा पत्र के अनुसार किसानों को बकाया 2 साल का बोनस तत्काल प्रदान करें।

राज्य सरकार ने 1 दिसंबर से धान खरीदी करेगी, किन्तु बीते 3 वर्षों में रूक्क दर में करीब 300 कि वृद्धि हुई है। अतः राज्य सरकार किसानों को इसी वर्ष से 2500 में ?300 जोड़कर 2800 रुपए के दर से भुगतान करें।

राज्य सरकार अपने धान खरीदी के लक्ष्य के अनुसार बारदाने की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

5. राज्य शासन ने बीते वर्ष किसानों से बारदाने लिए थे, जिसका भुगतान अभी भी शेष है। अतः किसानों को तत्काल भुगतान किया जाए।

प्रदेश भर के 2058 साख समितियों के कर्मचारी हड़ताल पर है। इनके मांगों पर सरकार जल्द निर्णय लेते हुए मांगो को पूर्ण करें। ताकि धान खरीदी सुचारू रूप से की जा सके !

इस अवसर पर किसान मोर्चा ज़िला महामंत्री ओमप्रकाश वर्मा, कोषाध्यक्ष निर्मल दिवेदी, उपाध्यक्ष कुंजराम साहू, शहर मंडल अध्यक्ष चंद्राप्रकाश चंद्रवंशी, महामंत्री पीयूष टाटिया, विरेंद्र राज, मनीष शर्मा, पंचराम साहू, खेमराज साहू, कमलेश दिवेदी, उपस्तिथ थे।

अन्धे कत्ल की गुत्थी सुलझी पति ही निकला हत्यारा

■ **चरित्र शंका कर पति ने ही पत्नी की कर दी हत्या**

■ **आरोपी पति को केशरपाल भानपुरी के जंगल से किया गया गिरफ्तार**

कोण्डागाँव। जिला कोण्डागांव में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन व अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 24 नवम्बर को पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोण्डागांव निमितेश सिंह के नेतृत्व में कोण्डागाव पुलिस ने अंधे कत्ल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी अनुसार रामदास मानिकपुरी द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर को अज्ञात महिला उम्र करीबन 30 वर्ष की मृत्यु किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिर में चोट पहुंचाकर हत्या करने की सूचना पर थाना कोण्डागाँव मे मर्ग क्रमांक 161 / 2021 धारा 174 जाफौ एवं अपराध क्रमांक 398 / 2021 धारा 302 भादवि का अपराध कायम कर विवेचना में

लिया गया था । अज्ञात मृतिका के संबंध में ग्राम भगदेवा व आसपास के लोगों से सधन पूछताछ कर अज्ञात मृतिका विमला विश्वकर्मा पति लखमु मरकाम निवासी इंगरा थाना माकड़ी के रूप में पहचान किया गया ततपश्चात अज्ञात मृतिका के पहचान कार्यवाही कार्यपालिक दण्डाधिकारी के द्वारा कारायी गई । मृतिका के परिजनों के द्वारा विमला के साथ उसके पति लखमू के द्वारा अक्सर मारपीट व गाली गलौज करने की जानकारी दी गई जिसके चलते मृतिका विमला दो बार मायके वापस आ चुकी थी। वही मृतिका के परिजनों के द्वारा लखमु राम मरकाम पर ही विमला विश्वकर्मा पर हमला हत्या करने की शंका जाहिर की गई । विवेचना दौरान दिनांक 24 नवम्बर को संदेही लखमु राम को ग्राम केसरपाल के जंगल से पकड़कर हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया जो दिनांक 25 अक्टूबर के रात्रि में अपनी पत्नि बिमला नाग के चरित्र पर शंका कर हत्या करना कबूल किया सम्पूर्ण विवेचना में आरोपी के खिलाफ घटना कारित करने पाये जाने से आरोपी को दिनांक 24 नवम्बर के 17:30 बजे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही निरीक्षक अर्चना धुरंधर थाना प्रभारी कोण्डागांव उ नि साहू , सोनी सउनि नाग , पटेल द्वारा किया गया ।

साजा कांग्रेस ने परपोड़ी क्षेत्र में निकली जन जागरण रैली

साजा । आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार मंत्री रविन्द्र चौबे एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्दशानुसार संतोष वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में अविनाश चौबे एवं रउफ कुरैशी प्रभारी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी साजा के आतिथ्य में महंगाई के खिलाफ ग्राम पंचायत गाड़ाड़ीह से ग्राम भटगांव 15 किलो मीटर तक यात्रा कर जन जागरण किया, कांग्रेस कमेटी के वक्ता ने अपने वक्तव्य में केंद्र की मोदी सरकार को जमकर कोसा, किस प्रकार से नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश की आम आदमी की आमदनी की लूट रही है और उनके जेब में डाका डाल रही हैं। देश के प्रचार मंत्री केवल जुमलेबाजी कर रही है, जो कि देश का दुर्भागयपूर्ण स्थिति हैं। उपरोक्त कार्यक्रम में परस सिन्हा, विजय दुबे, गुड्डू जायसवाल, केशव साहू, कन्हैया साहू, संतोष तिवारी, विनोद कुंजाम, बिहारी साहू, किलूष यदु, मनोज भुवाल, चितरंजन सिंह सहित ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सदस्य, युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, त्रिस्तरीय पंचायत के जनप्रतिनिधि, सरपंचगण एवं कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं की भारी संख्या में उपस्थिति रहीं।

भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने, एक दूसरे के कार्यक्रम का करेंगे विरोध

- **कवर्धा में चढ़ने लगा राजनीतिक रंग, तू डाल डाल, मैं पात पात**

कवर्धा/नवप्रदेश। कवर्धा झंडा विवाद अभी तक गरमाया हुआ है। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा पूरजोर विरोध करते हुए न्यायिक जांच और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग शुरू से कर रही हैं। इसके साथ ही भाजपाइयों ने 25 अक्टूबर को मोहम्मद अकबर के आगमन पर उन्हें काला झंडा दिखाकर अपना विरोध प्रदर्शन किया था। इसके ठीक 1 महीने बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पुनः कहा कि लगातार हो रही घटनाओं के बाद अब भाजपा मंत्री मोहम्मद अकबर के आगमन पर विरोध प्रदर्शन

करेगी। इस गरमाती हुई राजनीति को देखकर आनन-फ ानन में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नीलू चंद्रवंशी के द्वारा स्थानीय रेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों से नीलू चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा अब पूरे घटनाक्रम को राजनीतिक जामा पहनाते हुए जातिवाद की राजनीति करने उतारू है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के विकास को भाजपा नहीं पचा पा रही है। अभी तक बीजेपी के किसी वरिष्ठ नेता के द्वारा कवर्धा में शांति की अपील नहीं की है। जब तक बीजेपी के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह शांति की अपील नहीं करते तब तक कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीण स्तर से लेकर हर कार्यक्रम में भाजपा के सभी नेताओं को काला झंडा दिखाकर और कानून के दायरे में रहकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

60 हजार की जीत बनी भाजपा की बौखलाहट का कारण

नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा ने कहा कि मंत्री मोहम्मद अकबर के 60 हजार से अधिक मतों की जीत को भाजपा पचा नहीं पा रही है। इसकी वजह से इस तरह का प्रदर्शन कर रही। क्षेत्र में मोहम्मद अकबर के प्रयासों से सैकड़ों विकास कार्य हो रहे। जो पिछले 15 वर्षो में भी नहीं हो पाया। कवर्धा में मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर भी मंत्री द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के पास वर्तमान में कोई मुद्दा नहीं है जिसके चलते हुए अब संप्रदायिक राजनीति करने लगे हैं, जो अनुचित है। अपराधी किसी धर्म, जाति या सामुदाय का नहीं होता। ऐसे अपराधियों पर लगातार कानून अपनी कार्यवाही कर रही है। प्रेस वार्ता में नीलू चंद्रवंशी, ऋषि शर्मा, राज कुमार तिवारी, सुनील साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आज संविधान दिवस का होगा भव्य आयोजन

- **महाराष्ट्र के मशहूर कव्वाल मनोज राजा के कव्वाली का होगा कार्यक्रम**

राजनांदगांव। बौद्ध कल्याण समिति राजनांदगाँव के कुशल मार्गदर्शन में और संविधान दिवस समारोह समिति के तत्वावधान में 26 नवंबर संविधान दिवस के उपलक्ष्य में संविधान दिवस समारोह को भव्य और व्यापक बनाने के लिए समिति द्वारा आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई है। 26 नवंबर को सुबह 8 बजे भव्य मोटरसाईकिल रैली निकाली जाएगी, जो किए डॉ. आम्बेडकर भवन न्यू सिविल लाईन से होते हुए शहर के मुख्य चौक चौराहों पर भ्रमण करते हुए दोपहर 12 बजे कलेक्टोरेट स्थित डॉक्टर बाबा साहेब आम्बेडकर प्रतिमा के पास पहुँचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें आदरांजलि देगी। इस वर्ष के आयोजन को यादगार और ऐतिहासिक बनाने के लिए 26 नवंबर को ही न्यू सिविल लाईन स्थित आम्बेडकर भवन में सँध्या 7 बजे यवतमाल महाराष्ट्र के मशहूर कव्वाल मनोज राजा के कव्वाली का कार्यक्रम भी रखा गया है। इसी तारतम्य में रोगियों को त्वरित रूप से अस्पताल पहुँचाने भी समाज के प्रबुद्धजनों के सहयोग से एम्बुलेंस सेवा का भी शुभारंभ किया जाएगा। रात्रि 9 बजे सामाजिक बंधुओ के लिए मैत्री भोज की व्यवस्था भी रखी गई है। संविधान दिवस के उक्त आयोजन को एक समारोह का स्वरूप प्रदान करने आगामी 6 दिसंबर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भीम के नाम रक्तदान शिविर का भी आयोजन स्थानीय न्यू सिविल लाईन स्थित अम्बेडकर भवन में किया गया है, जिसमें सामाजिक बंधुओं के साथ-साथ अन्य समाज के और संगठन के युवा भी इस रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। आयोजन समिति ने सामाजिक बंधुओं को अधिक से अधिक सँख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

खेल विकास प्राधिकरण गठन से युवाओं को मिल रहा लाभ : कलीम खान

- **राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन, दुर्ग संभाग प्रथम, रायपुर दूसरे और बस्तर तीसरे स्थान पर**

कवर्धा/नवप्रदेश। 21वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का गुरूवार को समापन हुआ। 22 से 25 नवम्बर तक चले इस प्रतियोगिता में चार खेलों को शामिल किया गया था। इस प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी तरह रायपुर संभाग दूसरे व बस्तर संभाग तीसरे स्थान पर रहा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बाल बैडमिंटन बालक-बालिका 19 वर्ष, व्हॉलीवाल बालक, बालिका 17-19 वर्ष, टेनिस क्रिकेट बालिका 17 वर्ष और कृडों बालक बालिका 17-19 वर्ष शामिल किया गया था। प्रतियोगिता में दुर्ग, बस्तर, बिलासपुर, रायपुर और सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले जिले के खिलाड़ी शामिल

थे। समापन समारोह को संबोधित करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा ने सभी विजेता टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बरसों से अपेक्षित इस स्टेडियम को कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर के विशेष सहयोग से तीस लाख रूपए लागत से हाई मास्क प्रकाश की सुविधाएं दी गई है जिससे जिले के हजारों खेल टीम को लाभ मिलना शुरू हो गया है। आने वाले समय पर अन्य सुविधाओं को विस्तार भी किया जाएगा। हाल ही में कवर्धा नगर पालिका को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। उन्होने इस मंच के माध्यम से इस सम्मान को कवर्धा नगर पालिका की जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कबीरधाम जिले में जब भी राज्य स्तरीय खेल में मेजबानी का अवसर मिलेगा। कवर्धा नगर पालिका की पूरी टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ शासन और प्रशासन के सहयोग के लिए तैयार रहेगा। समापन समारोह में जिपं उपाध्यक्ष पुष्पा होरी लाल साहू, योग आयोग सदस्य गणेश योगी, कृषक कल्याण बोर्ड सदस्य भगवान सिंह, व्हॉलीबाल के पूर्व खिलाडी व पार्षद चुनवा खान, असगर खान विशेष रूप से उपस्थित थे। स्वागत भाषण जिला शिक्षा अधिकारी राकेश पांडेय ने दिया। आभार प्रदर्शन सहायक संचालक यूआर चन्द्रकार ने किया।

समापन अवसर पर ये हुए सम्मानित

21 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के सफ ल आयोजन के लिए संगठन, समिति, सदस्य, मास्टर ऑफ सेरेमनी, समरोह स्थल प्रबंधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम टीम, पुरस्कार समिति, आवास समिति, नियंत्रण एव पूछताछ टीम, अनुशासन एवं सुरक्षा समिति, स्वास्थ्य एवं भोजन निरीक्षण समिति, यातायात एवं परिवहन समिति, क्रीडांगन निर्माण एवं व्यवस्था समिति, स्वलापाहार एवं पेयजल समिति, कार्यालय अभिलेख एवं परिणाम समिति, वित्त एवं क्रय समिति, उद्घोषक एवं प्रचार प्रसार समिति के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने प्रतिबद्ध : खान

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के सदस्य मोहम्मद कलीम खान ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा प्रदेश में छत्तीसगढ़ खेल आयोग का गठन किया गया है। इस प्राधिकरण की समिति में जल्द ही खिलाड़ियों की नियुक्ति की जाएगी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुलिस और वन विभाग की तरह अन्य विभागों में भी खिलाड़ियों की नियुक्ति का प्रावधान किया जा रहा है।

धान खरीदी की तैयारी के लिए आरंभिक तैयारी पूर्ण

- **प्रथम दिन से होगी किसान बारदाने में खरीदी**
- **बारदाना की उपलब्धता के लिए किए जा रहे हरसंभव प्रयास**

राजनांदगांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में खरीफविपणन वर्ष 2021-22 में 1 दिसम्बर 2021 से धान खरीदी प्रांरभ की जाएगी। जिले में विगत वर्ष 139 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी का कार्य किया गया था। इस वर्ष राज्य शासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये राजनांदगांव जिले में 6 नवीन धान उपार्जन केन्द्र आडेझर, परसाटोला, रेंगाकठेरा, झाडीखैरी

(कुहीकला), घुघवा, ठंडार प्रांरभ किया गया है। इस प्रकार जिले में इस वर्ष कुल 145 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी का कार्य किया जाएगा। धान खरीदी केन्द्रों के समिति प्रबंधकों के द्वारा की जा रही हड़ताल समाप्त हो चुकी है। जिले में धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की तैयारियां चेक लिस्ट के अनुरूप पूर्ण की जा रही है।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा के निर्देश पर जिले के अधिकारियों द्वारा समस्त धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर आंरभिक तैयारियां पूर्ण कराई जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित समय से उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की जाएगी। कलेक्टर सिन्हा के निर्देशन में समस्त अनुविभाग में अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा समिति प्रबंधकों एवं नोडल अधिकारियों का बैठक लेकर धान उपार्जन के तैयारियां पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया जा चुका है।

कलेक्टर श्री सिन्हा के निर्देश पर जिले में धान खरीदी हेतु बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

निलंबित एडीजी जीपी...

के बाद जीपी सिंह के वकील आशुतोष पांडेय ने बताया कि किसी भी लोक सेवक के खिलाफआपराधिक प्रकरण दर्ज करने से पहले कानूनी राय लेने के साथ ही नियुक्ति कर्ता अधिकारी से अनुमति लेना आवश्यक है, जो नहीं ली गई। यहाँ तक की केंद्र सरकार से भी अनुमति नहीं ली गई है। याचिकाकर्ता के पक्ष में जवाब रखने के लिए कोर्ट से समय मांग की। जिस पर कोर्ट ने समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 8 दिसंबर तक के लिए टाल दिया

गौरतलब है कि आईपीएस जीपी सिंह ने हाईकोर्ट में राजद्रोह और भयादोहन मामले में याचिका लगाई है। मामले में की गई एफ आईआर को चुनौती दी गई है। दायर याचिका में सिंह ने एफ्आईर को निरस्त करने की मांग की है। साथ ही अंतरिम राहत के तौर पर पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग भी की गई है।

सलमान खुर्शीद की ...

पढ़ने के लिए क्यों नहीं कहते? सभी को बताएं कि किताब ठीक तरह से नहीं लिखी गई है और इसे न पढ़ें। अगर भावनाएं आहत हो सकती हैं, तो वे कुछ बेहतर पढ़ सकते हैं।' याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि सलमान खुर्शीद के इस किताब ने लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और इस प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।

कोर्ट ने क्या कहा?

वहीं, कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि मामला किताब के एक अंश का है न कि पूरी किताब का। अगर आप प्रकाशक का लाइसेंस रद्द कराना चाहते हैं, तो वो अलग बात है। हमारे सामने पूरी किताब नहीं रखी गई है, यह केवल एक हिस्सा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शित के किताब को लेकर राजनीतिक रूप से काफी बवाल मचा हुआ था।

चन्नी सरकार पर फिर ...

उन्होंने वापस ले लिया है। हाल ही में जब चन्नी उन्हें लेकर करतारपुर नहीं गए तो एक बार फिर दोनों के बीच टकराव सामने आ गया।

उत्तर भारत का गेटवे ...

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कनेक्टिविटी की दृष्टि से भी एक बेहतरीन मॉडल बनेगा। यहां आने जाने के लिए टैक्सी से लेकर मेट्रो और रेल तक हर तरह की कनेक्टिविटी होगी। आज देश में जितनी तेजी से एविएशन सेक्टर में वृद्धि हो रही है, जिस तेजी से भारतीय कंपनियां सैकड़ों नए विमानों को खरीद रही हैं, उनके लिए भी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की बहुत बड़ी भूमिका होगी। ये एयरपोर्ट विमानों के रख-रखाव, रिपेयर और ऑपरेशन का भी देश का सबसे बड़ा सेंटर होगा। हजारों लोगों को ये एयरपोर्ट नए रोजगार भी देगा इस एयरपोर्ट के माध्यम से पहली बार देश में इंटीग्रेटेड मल्टीमॉडल कार्गो हब की कल्पना साकार हो रही है। इससे इस पूरे क्षेत्र के विकास को एक नई गति मिलेगी, एक नई उड़ान मिलेगी।

बिजली विधेयक को ...

2, 5 या 10 हॉर्सपावर की कीमत हरियाणा में 25 पैसे प्रति किलोवाट-घंटे थी। यह 2020 में गिरकर 10 पैसे प्रति किलोवाट-घंटा हो गई। उत्तर प्रदेश में 2010 में 224 पैसे प्रति किलोवाट घंटा से बढ़कर 2020 में 656 पैसे प्रति किलोवाट घंटा हो गया है।

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट बताती है कि देश में दो करोड़ से अधिक लोगों ने कृषि कटेगरी में बिजली कनेक्शन लिया है। ऐसे में नए नियम का प्रभाव उन सभी किसानों पर पड़ेगा। 2019 तक महाराष्ट्र में सबसे अधिक कृषि उपभोक्ता (42.5 लाख) हैं। इसके बाद कर्नाटक में 29.7 लाख और मध्य प्रदेश 28.1 लाख कृषि उपभोक्ता हैं। पिछले दो दशकों में कृषि क्षेत्र में बिजली की खपत में लगातार बढ़ोतरी हुई है। 2000-01 में 84,729 गीगावाट घंटे से यह 2009-10 में बढ़कर 1.08 लाख गीगावाट हो गया और 2019-20 में यह 2.28 लाख गीगावाट तक पहुंच गया।

बता दें कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का हिस्सा सबसे अधिक है, कृषि में बिजली की खपत का हिस्सा भी भारत में सबसे अधिक है। कृषि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 16.7 फीसद है जबकि कृषि में बिजली की खपत देश की कुल बिजली खपत का 17.7 फीसद है।

नवाब मलिक को कोर्ट ...

बयानबाजी करना बंद करेंगे.

जस्टिस बोले- क्या आपको शोभा देता है

इस पर जवाब दिया गया कि 9 दिसंबर तक नवाब मलिक अब वानखेड़े और उनके परिवार के खिलाफ कोई पोस्ट शेयर नहीं करेंगे. अब कोर्ट की तरफ से ना सिर्फ नवाब मलिक को झटका दिया गया है, बल्कि तल्ख अंदाज में ये तक कहा गया कि ऐसी बयानबाजी उन्हें शोभा नहीं देती. सुनवाई के दौरान जस्टिस जाधव ने कहा कि नवाब मलिक वीआईपी हैं इसलिए उन्हें इतने आसानी से सभी डॉक्यूमेंट मिल जाते हैं. इसी बात को आगे बढ़ाते हुए जस्टिस कथावाला ने भी बोला कि वे एक मंत्री हैं और उन्हें ये सब क्या शोभा देता है?

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग
उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400206

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका सकुन्ती वर्मा पति बालकृष्ण वर्मा निवासी-गयानगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-दुर्ग प.ह.नं. 16/24 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 850/106 रकबा 0.018 हे. 2000 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 7दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग
उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400219

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक राजेन्द्र कुमार शर्मा आ. पुरूषोत्तम शर्मा अन्य 01 निवासी-बैगापारा दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-दुर्ग प.ह.नं. 16/24 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भमि खसरा नं. 850/116 रकबा 0.0180 हे. 2000 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग
उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400207

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका प्रमिला देवी पति सुरेश कुमार निवासी- सोनारी जमशेदपुर झारखंड द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-दुर्ग प.ह.नं. 16/24 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 850/92 रकबा 0.0140 हे. 1500 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 22.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग
उद्घोषणा

रा.प्र.क्रं. 202111100700170 /अ-6/2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं। आवेदक अनिल कुमार बशै पति स्व. बलीराम साहू निवासी ग्राम देवडोगर तहसील व जिला राजनांदगांव द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1179/61 रकबा 0.008 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार सखनिया बाई की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा हो तो वह पेशी दिनांक 30/11/21 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि के पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 15.11.21 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभ भाई पटेल, थोक बाजार, डुमरतराई, रायपुर में स्थित दुकान क्र. बी-88, श्री अमित झंवर पिता श्री एस.सी. झंवर, के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 5459 दिनांक 24.09.2010 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त दुकान का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 26.02.2013 को लीजडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त लिया गया है। मूल आबंटी श्री अमित झंवर की मृत्यु दिनांक 22.08.2017 को हो जोन के कारण उनके उत्तराधिकारीगण धर्मपत्नी श्रीमती स्वाति झंवर पति स्व. श्री अमित झंवर एवं ना.बा. पुत्रगण (1) शुभांश झंवर (2) अमृतांश झंवर दोनों के पिता स्व. श्री अमित झंवर, सभी निवासी-ए-602, गोल्डन ग्लोरी, श्रीराम नगर रेलवे क्रासिंग के पास, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त दुकान को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसके अनुसार नामांतरण किया जाना है।

अतः उक्त दुकान नामांतरण करने संबंध में किसी भी व्यक्ति शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-2, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, (जोन क्रं-04), रायपुर छ.ग.
प्रेस क्लब के बाजू, पानी टंकी के नीचे, मोतीबाग चौक
Email ID: rmczone4@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

प्र.क्र. न.पग्न.नि./जोन क्रं.-04/2021 रायपुर, दिनांक/2021 नामांतरण प्र.क्र. 327, 2021-22 वार्ड का नाम -प. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड-57

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि प. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड 57 वार्ड स्थित भवन/भूमि 571/ प्लैट नं. ए-03 आर एस पार्क जो कि निगम अभिलेख में श्री सुधीर आश्वले पिता बसंत आश्वले के नाम से दर्ज जिसको श्रीमती सुमेघा आश्वले पति स्व. सुधीर कुमार सुरभि आश्वले पिता स्व. सुधीर कुमार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री के अनुसार पंजीकृत वसीयतनामा एवं बिना पंजीकृत पारिवारिक व्यवस्था पत्र, वंशानुक्रमांक/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-04
नगर निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग
उद्घोषणा

पंजी. नं. 202111100400122

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक नोहर लाल वर्मा आ. जगदीश प्रसाद वर्मा निवासी-सिरसाखुर्द जेवरा द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम-जेवरा प.ह.नं. 13 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 860/2 रकबा 0.0945 हे. वर्गफीट (व्यवसायिक) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है। अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट — पक्षकार का नाम सतीश हाटेकर आ. श्री लपालजी राव हाटेकर रजिस्ट्रेशन नं. 202111100400240, अ/2, 2021-22

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक सतीश हाटेकर आ. श्री लालजी राव हाटेकर निवासी वार्ड नं. 11 शंकर नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम-बघेरा प.ह.न.07-अ/48 तह. व जिला दुर्ग	176/109	0.008 हें 900 वर्गफीट	आवासीय

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई दावा/ आपत्ति हो तो प्रकरण उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 23.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी (रा.), दुर्ग, जिला- दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला

क्रमांकः 202108101000106/202108101000106
विषयः अ-74 सन्- 2020-2021

मामले की श्रेणी-राजस्व

ढोर प.ह.न. 00050 (हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - नानकी देवी

ईश्तहार

आवेदकः नानकी देवी अन्य पति स्व. अर्जुनदास, निवासी-गुरूनानक नगर दुर्ग ग्राम-कुरूद प.ह.न. 19 अ, रा. नि.म. कोहका, तहसील व जिला-दुर्ग स्थित भूमिस्वमी हक की भूमि ख.नं. 1441/1 रकबा 0.060 हे. भूमि का मूल ऋण पुस्तिका गुम जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29/11/21 स्वयं अथवा अने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12.08.2021 को जारी किया जाता है।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, भिलाई नगर

वन विभाग छत्तीसगढ़
बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर
नीलाम विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलुपर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 04.12.2021 को इमारती काष्ठ का नीलाम रखा गया है। इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, नीलाम में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली-भांति अवलोकन कर नीलाम से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया बोली लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बोली लगावें। नीलाम में लॉट पर बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि 10 प्रतिशत के बराबर या 1000/- रुपये इनमें से जो भी अधिक हो बयाने की राशि जमा करना अनिवार्य है। वर्ष 2021 का पंजीयन एवं फर्म का पेन नंबर एवं जी.एस.टी. नम्बर की प्रति सत्यंकार कक्ष में जमा करें। **काष्ठागार सरगीपाल नीलाम समय 9.00 बजे प्रातः दिनांक 04.12.2021**

काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

क्रं.	प्रजाति	वनोपज की मात्रा					
		नया काष्ठ			पुराना काष्ठ		
		घनमीटर (अनुमानित)	बल्ली	डेंगरी	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	सागौन	300.000	2900	1950	18.290	0	25
	साल	810.000	0	200	3516.211	124	1696
	बीजा	40.000	100	50	377.349	190	442
	साजा	18.000	0	30	87.747	0	121
	हल्दु	3.000	3	0	4.313	0	5
	शीशम	0.000	0	0	0.000	0	0
	सिवना	0.000	0	0	0.236	0	0
	तिंसा	1.000	0	7	11.637	0	10
	नीलगिरी	0.000	0	0	0.000	0	0
	धावड़ा	10.000	0	13	206.605	0	74
	अन्य	18.000	0	70	203.943	0	90
	पाईन	0.000	0	0	0.000	0	0
	अकेशिया	0.000	0	0	0.000	0	0
	मुलायम काष्ठ	0.000	0	0	5.033	0	0
	योग :-	1200.00	3000	2300	4431.364	314	2463

पुराना मिश्रित जलाऊ चट्टा 1370 चट्टा

जी-65338/5

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे
फोन व फैक्स : 0771-4035602, डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

न्यूज गैलरी

ब्लॉक स्तरीय युवा महोत्सव 1 दिसंबर से

भाटापारा/नवप्रदेश। खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा विकासखंड स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन एक से तीन दिसम्बर को शासकीय गजानन्द अग्रवाल महाविद्यालय के मैदान में और मॉडर्न स्कूल तरेंगा भाटापारा में आयोजित किया जाएगा। 01 को प्रातः 9 बजे कबड्डी(महिला), खो -खो (महिला) फुगड़ी (महिला) गेड़ी(पुरुष) भौरा (महिलाएवं पुरूष दोनों के लिये पृथक पृथक)निबंध, चित्रकला, (महिला/पुरुष) सयुंक्त रूप से (निबंध और चित्रकला का छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति का चित्रण के आधार पर /लोक पारंपरिक चित्रण), 2 दिसम्बर को स्थान शा गजानन्द अग्रवाल महाविद्यालय भाटापारा में प्रातः 9 बजे खो-खो, कबड्डी (पुरुष वर्ग) 3 दिसम्बर को स्थान मॉडर्न तरेंगा रोड भाटापारा में प्रातः 9 बजे से समस्त सांस्कृतिक विधाएं - लोक नृत्य (कलाकारों की अधिकतम संख्या 20 होगी जिसमें नर्तक एवं वाद्य यंत्र बजाने वाले कलाकार दोनों शामिल है। एक दल में पुरुष/महिला अथवा दोनों सम्मिलित होंगे लेकिन शास्त्रीय नृत्य एवं नृत्य नाटिका एवं टेप रिकार्डेड संगीत तथा इलेक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंट मान्य नहीं होगा।) लोक गीत अधिकतम कलाकारों की संख्या 10 होगी किसी भी भारतीय क्षेत्रीय भाषा में प्रस्तुति फिल्मी गीत मान्य नहीं होगा। हारमोनियम वादन, तबला वादन (सुगम वादन) कलाकारों की संख्या एक होगी। वक्तृत्व कला (तात्कालिक भाषण) प्रतिभागी की संख्या एक होगी हिंदी या अंग्रेजी में बोला जा सकता है। उपरोक्त विधाओं के अलावा छत्तीसगढ़ी लोक पारंपरिक विधाये सुआ, पंथी, करमा नाचा, सरहुल नाचा, बस्तरिहा लोक नृत्य, राऊत नाचा, पारंपरिक वेशभूषा(विविध वेशभूषा), वाद विवाद प्रतियोगिता विषय ग्रामीण परिवेश में शिक्षा का विकास, जिला व राज्य स्तर में आयोजित की जाने वाली विधाएं एकांकी नाटक, कत्थक, आदि विधाये है सभी विधाओं का आयोजन दो आयु वर्ग में होगा 15 से 40 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक इच्छुक प्रतिभागी अपना पंजीयन विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सन्तोष साहू मोबाईल नम्बर 6265810543 शरद पंसारी मोबाईल नम्बर 7489780844 से संपर्क कर पंजीयन सुनिश्चित करें। प्रतिभागी अपना स्वयं का वाद्य यंत्र परिधान लेकर आएंगे । विकासखंड में चयनित प्रतिभागी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाटापारा विकासखण्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

झीका में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

सिकोसा/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत रेहची के आश्रित ग्राम झीका में यंग इलेवन क्रिकेट क्लब के तत्वधान में प्रथम वर्ष कबड्डी प्रतियोगिता किया जा रहा है जो स्वर्गीय किसुन लाल ठाकुर की स्मृति में होना है। एक दिवसीय रात्रि कालीन में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रथम पुरस्कार 7 हजार 1 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 5 हजार 1 रुपए और तृतीय पुरस्कार 3 हजार 1 रुपए, चौथा पुरस्कार 15 सौ 1 रुपए दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, वरिष्ठ अतिथि जिला पंचायत सदस्य भाजपा नेता नीतीश मोंटी यादव, जनपद सदस्य प्रेम कुमार समेत अन्य होंगे।

17 हितग्राहियों को मिला गैस कनेक्शन

सिकोसा/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत कोटगांव में केंद्र सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर वितरण किया गया। 17 हितग्राहियों को गैस सिलेंडर व चूल्हा दिया गया। जिपं सदस्य व भाजपा नेता नीतीश मोंटी यादव, भाजपा नेता देवेंद्र साहू, महामंत्री भाजयुमो मंडल अर्जुंदा व वार्ड क्रमांक 5 के पंच ने हितग्राहियों को गैस सिलेंडर व चूल्हा वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश में गैस सिलेंडर व गैस चूल्हा निशुल्क में वितरण किया जा रहा।

छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं का गांव-गांव कर रहे प्रचार प्रसार, मिल रहा लोगों को लाभ

सिकोसा/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत रेहची में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ गांव गांव में प्रचार-प्रसार के माध्यम से किया जा रहा है जिससे हर व्यक्ति शासन का लाभ ले सकें। ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिल रहा। ग्रामीण बैंक किसानों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ लेने एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत ऋण सुविधा, वाहन ऋण योजना के अंतर्गत ब्याज राशि पर दो पहिया, कार, ट्रैक्टर ऋण की सुविधा बैंक की स्वयं सहायता समूह संयुक्त दायित्व समूह ऋष्ा योजनाओं के अंतर्गत लाभ का फायदा एवं कृषक पशु पालक पुरुष महिलाओं के साथ साथ गृहणी महिलाओं को ऋण की सुविधा उपलब्ध किसान कल्याण योजना के अंतर्गत कृषि कार्य हेतु ऋण योजना स्वर्ण आभूषण की प्रतिभूति के विरुद्ध ऋण योजना शासन द्वारा किसानों को सुविधा दी गई है।

डॉ. साहू का राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक अवार्ड 2021 में हुआ चयन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। डॉ विभा रानी साहू का चयन राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक अवार्ड 2021 के लिए हुआ है। आप अर्थशास्त्र की व्याख्याता एलबी है। आपकी मूल संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कोरचाटोला विकासखंड अंबागढ़ चौकी जिला राजनांदगांव है। इसके पूर्व डॉ. विभा रानी साहू को शैक्षिक क्षेत्र में सामाजिक समरसता सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. विभा रानी सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र में अग्रणी रही है। डॉ. विभा रानी राजनांदगांव जिले में जिला संगठन आयुक्त स्काउट गाइड के पद पर भी कार्य कर चुकी हैं। आपने एचडब्ल्यूबी रेंजर कोर्स भी किया है।

कोविड-19 के दौरान आपने डिजिटल सखी मेंटल हेल्थ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लोगों की निःशुल्क काउंसलिंग की। इन्हीं कार्यों को देखते हुए राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक अवार्ड-2021 में आपका चयन हुआ।

नवाचारी गतिविधियां समूह भारत, शासकीय शिक्षकों द्वारा संचालित देश के सभी राज्यों से जुड़ा सबसे बड़ा नवाचारी शिक्षक समूह द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शैक्षिक वेबीनार 16, 17 व 19 अक्टूबर 2021 को यू-ट्यूब पर लाइव प्रसारित किया गया। वेबीनार के मुख्य बिंदु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए नवाचार, उत्कृष्ट कार्यों की आवश्यकता व लाभ, देशभर के शिक्षकों के स्वयं के नवाचार, कोविड-19 के दौरान पढ़ाई जारी रखने के लिए सभी राज्यों के शिक्षकों के प्रयास आदि थे। प्रथम दिवस का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य के सभी जिलों से एक शिक्षक द्वारा हुआ। प्रथम दिवस छत्तीसगढ़ के मुख्य अतिथि एससीईआरटी रायपुर की सहायक प्राध्यापक डॉ. जयभारती चंद्राकर, जिला शिक्षा अधिकारी शक्ति श्रीमती मीता मुखर्जी, राज्य परियोजना कार्यालय रायपुर के सहायक संचालक एम. सुधीश थे।

द्वितीय दिवस आकाश सारस्वत, उप राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा उत्तराखंड देहरादून, एससीईआरटी रायपुर छत्तीसगढ़ की सहायक प्राध्यापक श्रीमती विद्या डांगे, हरियाणा अंबाला की एपीसी समग्र शिक्षा श्रीमती पूजा शर्मा रायपुर से एम. सुधीश थे। तृतीय दिवस आंध्र प्रदेश की डिप्टी, डायरेक्टर डॉक्टर, एएम जय श्री तथा सिक्किम डाइट से गणेश चंद्र दहल थे। पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षकों को नवाचारी शिक्षक समूह व आमंत्रित अतिथियों की ओर से शुभकामनाएं दी गई। डॉ. विभा रानी साहू को प्रमाण पत्र व मोमेंटो से सम्मानित किया गया। इसमें संजीव कुमार सूर्यवंशी एवं श्रीमती सुनीता ठाकुर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर धीरी के व्याख्याता एलबी तेजराम सिन्हा एवं श्रीमती सुषमा साहू पत्रकार एकता महासंघ के अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने बधाई दी।

डॉ. विभा रानी साहू ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता स्व. नर्मदा प्रसाद साहू नब्बू जनकवि व माता रिटायर्ड शिक्षिका जानकी साहू एवं अपने गुरुजनों को दिया है। आप दुर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. कन्हैया लाल साहू की पोती है।

बकायदारों से 41 लाख रुपए की वसूली

भाटापारा/नवप्रदेश। विद्युत बकायादारो पर विभाग द्वारा लगातार कढ़ाई बरती जा रही है और विद्युत बकायादारों से शक्ति से वसूली की कार्यवाही की जा रही है। भाटापारा संभाग के अंतर्गत बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले विद्युत उपभोक्ताओं की लाइन विच्छेदन का कार्य विद्युत विभाग के द्वारा किया जा रहा है जिसके तहत भाटापारा संभाग के अंतर्गत 281 उपभोक्ताओं के तरफ 57 लाख से अधिक की राशि बकाया थी जिनकी लाइन काटकर 253 उपभोक्ताओं के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उनसे 41 लाख रुपए की वसूली की गई है। अभी भी बहुत से उपभोक्ताओं ने राशि जमा नहीं की है काफी बड़ी संख्या में विद्युत कनेक्शन काट दिए गए हैं। ईई जीपी अनंत ने आगे कहा कि विच्छेद किए गए लाइन की चेकिंग के दौरान यदि कोई कनेक्शन अवैध रूप से जुड़ा हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 138 के अंतर्गत विद्युत चोरी का प्रकरण बनाकर एफ आईआर दर्ज करा कर विशेष न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

कोरोना टीकाकरण के लिए घर-घर पहुंच रहे नगर पालिका सीएमओ

कवर्धा/नवप्रदेश। कलेक्टर के आदेशानुसार कोरोना टीकाकरण महाअभियान 28 नवंबर 2021 तक मनाया जा रहा है। इस महाअभियान को सफल बनाने अब मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश वर्मा अपने पूरे कर्मचारियों के साथ वार्डो में पहुंच रहे है। डोर-टू-डोर सर्वे के साथ-साथ अब घर-घर जाकर कोविड टीकाकरण करवा रहे है।

पिछड़े क्षेत्रों में टीकाकरण के डर को दूर करने मुख्य नगर पालिका नरेश कुमार वर्मा अपने टीम के साथ घर-घर पहुंच रहे है उनके द्वारा घर में जाकर टीकाकरण हेतु प्रेरित कर रहे है टीकाकरण करवाने के लिए डर रहे लोगों को जागरूक करते हुए कोरोना की अगली लहर से बचने व टीका लगाये जाने के फायदे बता रहे है बुजुर्ग, निःशक्त टीकाकरण केन्द्र तक नही पहुंच पा रहे है उसके घर में जाकर टीकाकरण करवा रहे है। जिला प्रशासन द्वारा 22 नवंबर से 28 नवंबर तक विशेष कोविड टीकाकरण सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें कोविड महामारी से लोगों को बचाने के लिए शासन ने कोविड टीकाकरण अभियान जारी किया है। इस अभियान के तहत 18 वर्ष या अधिक आयु वर्ग के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। जिले में कोविड टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने के लिए टीकाकरण सप्ताह का शुरूवात किया गया है मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरेश वर्मा ने बताया कि शहरी क्षेत्रांतर्गत समस्त वार्डो में शत-प्रतिशत टीकाकरण किये जाने हेतु नगर पालिका के सभी कर्मचारियों वार्डो में लगा दिया गया है ताकि 28 नवंबर तक 100 प्रतिशत टीकाकरण कार्य पूर्ण हो सके।

जनता की सेवा करना हमारा नैतिक कर्तव्य : अमरजीत भगत

प्रभारी मंत्री भगत ने ग्राम ठाकुरटोला में नवीन धान उपार्जन केन्द्र का किया शुभारंभ

किसानों को धान विक्रय में मिलेगी सहुलियत

राजनांदगांव/नवप्रदेश। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी एवं संस्कृति विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने छुईखदान विकासखंड के ग्राम ठाकुरटोला में नवीन धान उपार्जन केन्द्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम ठाकुरटोला में छात्रावास खोलने की घोषणा की। कार्यक्रम में किसानों को मशरूम बीज और स्वसहायता समूह की महिलाओं को साड़ी वितरण किया गया। अमरजीत भगत ने कहा कि ठाकुरटोला में नए धान खरीदी केन्द्र खुलने से अब किसान पास में ही आसानी से धान का विक्रय कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी का नैतिक कर्तव्य जनता की सेवा करना है और इस कार्य को ईमानदारीपूर्वक करना है। सौभाग्य की बात है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल किसान के बेटे हैं और हमारे राज्य के मुखिया हैं। जिन्होंने अन्नदाता किसानों की समस्या को नजदीक से देखा है और उसे दूर कर रहे हैं। मुख्यमंत्री राज्य के मुखिया बनने के बाद लगातार किसानों, गरीबों और छत्तीसगढ़ निवासियों के लिए कार्य कर रहे हैं। किसानों को लाभ दिलाने और कृषि के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए किसानों का कर्जा माफ बिजली बिल हाफ और समर्थन मूल्य में धान खरीदी किया जा रहा है। शासन द्वारा राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 9 हजार प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और यही इसकी पहचान है। राज्य में खेती किसानी करने वाले नागरिक निवास करते हैं। जब कोई भी कार्य किसान के लिए किया जाता है, तब उनके चेहरे पर खुशी की झलक दिखाई देती है। शासन की योजनाओं का लाभ लगभग शत-प्रतिशत लोगों को मिल रहा है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष नवाज खान ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल किसान, आदिवासी, महिला, दीदियों, मजदूरों के लिए कार्य कर रही है। राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद शासन द्वारा किसानों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। आदिवासी अंचल क्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण मुख्य कार्य है। जिसे शासन समर्थन मूल्य 4000 रूपए प्रति मानक बोरा में खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन किसान, गरीब, मजदूरों और जनता की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करते हैं। महिला सशक्तिकरण के लिए स्वसहायता समूह के साढ़े 12 हजार करोड़ रूपए कर्ज माफी किया है। शासन लगातार किसानों और मजदूरों के लिए कार्य कर रही है। नवीन धान उपार्जन केन्द्र ठाकुरटोला सेवा सहकारी समिति पैलीमेटा से अलग करके बनाया गया है। नवीन धान उपार्जन केन्द्र ठाकुरटोला अंतर्गत 19 गांव शामिल हैं। जिसमें 1130 किसानों ने पंजीयन कराया है।

पत्नी की हत्या करने वाले हत्यारे पति को आजीवन कारावास

भाटापारा/नवप्रदेश। चरित्र शंका के चलते पत्नी की हत्या करने वाले पति सिविल लाईन सिमगा निवासी आरोपी ईश्वर स्वीपर पिता चंदू स्वीपर को धारा 302 के अंतर्गत चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा किरण त्रिपाठी ने आजीवन कारावास एवं 1000/- रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अपर लोक अभियोजक भाटापारा न्याजी खान ने बताया कि थाना सिमगा अंतर्गत सिविल लाईन सिमगा की है। 4 जून 2019 को मृतिका की बेटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई की उसकी बेटी नेहा का उसके पति ईश्वर के साथ 8.00 बजे दिन मे झगड़ा विवाद हो रहा था, वह काम पर चली गई थी। काम से वापस आई तो उसकी बेटी घर मे अर्ध बेहोशी हालत में पड़ी थी सिर से खून बह रहा था, उसकी बेटी से पूछने पर बताई की ईश्वर ने किससे किससे बात करती है कहकर माँ बहन की गाली देकर जान से मारने की धमकी देते हुए लोहे की राड से सिर में मारा है। आहत का सीएचसी सिमगा में प्राथमिक उपचार के बाद मेकाहारा अस्पताल रायपुर रिफर किया गया, जहां ईलाज के दौरान 13 जून को मृत्यु हो गई। मर्ग कायम कर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। जांच उपरांत आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण अधीनस्थ न्यायालय सिमगा के समक्ष पेश किया गया, जहां से प्रकरण उपार्पण पर भाटापारा न्यायालय प्रेषित किया गया। न्यायालय के समक्ष अभियोजन साक्षियों के बयान पूर्ण होने पर अपर लोक अभियोजक न्याजी खान ने आरोपी को कठोर दंड दिये जाने का निवेदन किया। अभियुक्त अपने आपको निर्दोष होना कहा। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा किरण त्रिपाठी द्वारा प्रकरण की गंभीरता, अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और गवाहों का परिशीलन करते हुए पाया की अभियुक्त ने नेहा दीप की हत्या कारित करने के आशय से उसे लोहे के राड से मारपीट कर उसकी हत्या कारित किया, इसलिए आरोपी ईश्वर स्वीपर को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन व्यावसायिक परिसर, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)
email ID: eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा टाटीबंध कालोनी, रायपुर में निर्मित ढांचा भवन योजना के अंतर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक ढांचा-576 स्ला 1 में श्रीमती परमजीत कौर बौपाराई पति श्री दविदंर सिंग बौपाराई द्वारा आममुख्तयार श्री मनप्रीत सिंग गिल पिता सुखराज सिंग गिल को भाड़ाक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 15.7.2011 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया। आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 4.10.2021 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन श्री उमेश कुमार यादव पिता लालबचन यादव के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय, अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.316/2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि भक्त माता कर्मा वार्ड क्र. 67 स्थित भवन/भूमि भूखण्ड क्र. बी 69, बी-70 जो कि निगम अभिलेख में मेसर्स स्टार वैली बिल्डर्स इंडिया प्रा.लि. के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती पायल अग्रवाल पति अनिमेष अग्रवाल ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

15 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण

गंडई पंडरिया/नवप्रदेश। नगर पंचायत गंडई द्वारा नगर के ए मार्केट में विभिन्न निर्माण कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण मुख्य अतिथि सांसद संतोष पाण्डेय व पूर्व विधायक कोमल जंघेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह की मुख्य आतिथ्य में सम्पन हुआ। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि राज्य के भूपेश सरकार से पूरे प्रदेशवासी त्रस्त है, मोदी सरकार ने गरीबों को आवास योजना का लाभ देना चाह रही है, लेकिन राज्य सरकार ने गरीबों का आवास योजना निरस्त कर वापस भेज दिया है, जिसके चलते हजारों लोगों को आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिला किसान मोर्चा के महामंत्री खम्हन ताम्रकार ने कहा कि स्वच्छता में गंडई नगर पंचायत को अवार्ड मिलने पर निकाय के अधिकारी कर्मचारी और जनप्रतिनिधियों को बधाई दिए हैं। केंद्र की मोदी सरकार के योजना के माध्यम से गांव व नगर का विकास हो रहा है। केंद्र सरकार के माध्यम से गंडई सहित क्षेत्र का विकास हो रहा है। इसके लिए सांसद को को धन्यवाद दिया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि सांसद को गंडई गंडई क्षेत्र से काफी लगाव है। आज सांसद निधि द्वारा वार्ड 05 में सभा भवन निर्माण 15 लाख की लागत से बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण हुआ है। नगर पंचायत के सभी 15 वार्डो का विकास होना है,नगर के कोई भी व्यक्ति अगर आवेदन लेकर पार्षद या जनप्रतिनिधि के पास आया तो वह निश्चित रूप से पीड़ित है उनका हर हाल में सहयोग करना चाहिए इसलिए तो हम जनप्रतिनिधि बने है। एक सर्व सुविधायुक्त मंगल भवन का निर्माण गंडई निकाय में होना चाहिए, जिससे हर वर्ग के लोगों का काम आ सकें। कार्यक्रम में पूर्व नगर अध्यक्ष छुईखदान गिरिराज किशोर दास वैष्णव, अनुज साहू, यतीश कुंजाम, केशव साहू, सुखराजी निर्मलकर, भीखू हिरवानी, दीना जंघेल, संतोष ठाकुर, अनिल नामदेव सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 5 रायपुर
ईदगाह भाठा, पानी टंकी, रायपुर (छ.ग.)
ph.No. 0771-40455819 Email rmczone5@gmail.com

ईश्तहार/आधिपत्य हस्तांतरण की सूचना

नामांतरण प्र.क्र.311/2021-22

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड-41 स्थित भवन एलआईजी-आई-419 आरपीआर 569ई00080 जो कि निगम अभिलेख में श्री बसंत कुमार दुबे पिता मदन लाल दुबे के नाम से दर्ज है जिसको श्री विनोद कुमार वैद्य पिता नरहरी राव वैद्य ने रजिस्ट्री/ लिखित द्वारा वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक-5
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771-2436320
email ID: eocghbzone2@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत शंकर नगर, रायपुर में स्थित फ्लैट क्र.-जनता-132, सेक्टर-02, श्रीमती नलिनी भंडारी पति स्व. श्री बी.एम. भंडारी को इस कार्यालय आबंटन आदेश क्र.-3006 दिनांक 03.02.1982 के द्वारा भाड़ा क्रय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 30.06.1994 को सेलडीड पंजीकृत अपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में आबंटी श्रीमती नलिनी पति स्व. श्री बी.एम. भंडारी, निवासी-जनता-132, सेक्टर-02, शंकर नगर, रायपुर, तह. व जिला-रायपुर (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र, शपथ पत्र, विक्रय इकरारनामा तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर उक्त भवन को क्रेता श्रीमती कल्पना नायक पति श्री संदीप नायक, निवासी-ग्राम-कुर्रा, पोस्ट-बंगोली, थाना-खरोरा, तह.-तिल्दा, जिला-रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय, अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर

कार्यालय, कलेक्टर (जिला निर्माण समिति), जिला उत्तर बस्तर-कांकेर
निविदा निरस्तीकरण सूचना

पत्र क्र. 6405/जि.नि.स./2021-22 कांकेर, दिनांक 24.11.2021

जिला निर्माण समिति, कांकेर, जिला-उत्तर बस्तर कांकेर के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/6082/जि.नि.स./निविदा/2021-22 कांकेर, दिनांक 02.11.2021 के द्वारा आमंत्रित निविदा के एन.आई.टी. क्र.-33 के कार्य कांकेर के प्रयास आवासीय विद्यालय से बायपास मार्ग तक आर.सी.सी. रिटेनिंग वॉल एवं सी.सी. रोड निर्माण तथा प्रयास विद्यालय परिसर में सी.सी.सड़क एवं आहाता निर्माण कार्य को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

संवाद - 30585/2

कलेक्टर एवं अध्यक्ष
जिला निर्माण समिति
जिला उत्तर बस्तर कांकेर

AXIS BANK
एक्सिस बैंक लिमिटेड
एसेट सेल्स सेंटर, द्वितीय तल, चावला चैंबर्स, न्यू बसस्टैंड के सामने, जीवन बीमा मार्ग पंडरी, रायपुर 492004

परिशिष्ट-IV
[नियम 8(1)]
कब्जा नोटिस

जबकि:
अधोहस्ताक्षरी, **एक्सिस बैंक लिमिटेड** के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नियम 3 के साथ पठित सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 ने एक मांग नोटिस जारी किया, दिनांक 20.04.2021 को उधारकर्ताओं / गारंटरों / सह-उधारकर्ताओं से आह्वान किया गया **महेन्द्र पटेल पिता दिलीप पटेल, गुलाप सिंह पटेल पिता सुखनंदन पटेल एवं दिलीप सिंह पटेल पिता मानिक सिंह पटेल** को उल्लिखित राशि चुकाने के लिए नोटिस में दिनांक 19.04.2021 को **रु. 45,90,674/- (पैतालीस लाख नब्बे हजार छह सौ चौहत्तर रुपए) ऋण खाता संख्या 914030011567223** के तहत अनुबंध की समाप्ति पर देय राशि (इस राशि में 19.04.2021 तक ब्याज शामिल है) उक्त सूचना प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर।

उधारकर्ता और गारंटर राशि का भुगतान करने में विफल होने पर, उधारकर्ताओं और गारंटर और आम जनता को नोटिस दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने धारा 13(4) के तहत उसे प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा लिया है। उक्त अधिनियम के, **23 नवंबर वर्ष 2021** के नियम 2002 के नियम 8 सुरक्षा हित (प्रवर्तन) के साथ पठित ।

विशेष रूप से उधारकर्ताओं और गारंटर और आम जनता को एतद्वारा आगाह किया जाता है कि वे संपत्ति का लेन-देन न करें और संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन एक्सिस बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा, जिसकी राशि **रु. 45,90,674/- (पैतालीस लाख नब्बे हजार छह सौ चौहत्तर रुपए) ऋण खाता संख्या 914030011567223** के तहत अनुबंध की समाप्ति पर और उस पर आगे का ब्याज, भुगतान की तिथि तक देय राशि (इस राशि में 19.04.2021 तक ब्याज शामिल है)।

सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उप धारा (8) के प्रावधानों की ओर उधारकर्ता का ध्यान आकर्षित किया जाता है।

अनुसूची सुरक्षित चल संपत्ति

श्री दिलीप सिंह पटेल पिता मानिक सिंह पटेल के नाम पर परिवर्तित आवासीय भूमि एवं बिल्डिंग जो पूर्व में खसरा नंबर 268/55, 269/60 का भाग और वर्तमान में खसरा नंबर 268/153 व 269/179, प्लाट नंबर 10, द्वारिका, कुल क्षेत्रफल 1460 वर्गफीट, नगर पालिका परिसर बेमेतरा सीमा अंतर्गत ''श्री कृष्ण विहार कॉलोनी'' वार्ड -9, बाबा रामदेव वार्ड, मौजा-ग्राम- सिंघौरी, पटवारी हल्का नंबर 26, आरआईसी, तहसील एवं जिला बेमेतरा (छ.ग.) का सामयिक बंधक।

सीमाएं :- उत्तर- 20 फीट खुली जगह, दक्षिण- 11 द्वारिका, पूर्व- 26 गोकुल, पश्चिम- 20 फीट खुली जगह।

दिनांक: 26.11.2021
स्थान : रायपुर

रंजीत कुमार झा
अधिकृत अधिकारी
एक्सिस बैंक लिमिटेड

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग
// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //
(विकासखण्ड-दुर्ग) (दुर्ग ग्रामीण-क्षेत्र)

क्रमांक-12666/व.ले.लि./लेखा खण्ड/2021-22 दुर्ग, दिनांक 22.11.2021

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत ई-श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि., रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 08/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि : 13/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 17/12/2021 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि : 20/12/2021 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्रं निविदा क्रं.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	2	3
22 T0273	मुख्य मार्ग से शमशान घाट से ग्राम पंचायत कातरो पहुंच मार्ग	19.98
22 T0274	ग्राम पंचायत डुमरडीह में आंगनबाड़ी से तालाब तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	19.87
22 T0275	ग्राम धनोरा में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी के पास विभिन्न आंतरिक पहुंच मार्ग तक सी.सी रोड निर्माण कार्य।	8.41
22 T0276	ग्राम तिरगा में वार्ड क्रं. 11-12 सुन्दर सारथी, जगेशर ठाकुर से स्कूल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	19.68
22 T0277	ग्राम तिरगा में वार्ड क्रं. 11-12 राजकुमार ठाकुर, एमन देशमुख से स्कूल तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	19.43
22 T0278	धनोरा रिसाली मार्ग से पी.एस. गजपाल के घर तक सी.सी पहुंच मार्ग।	10.64
22 T0279	मुख्य मार्ग से शमशान घाट से ग्राम पंचायत खम्हरिया पहुंच मार्ग।	18.91
22 T0280	धनोरा रिसाली मार्ग से रामेश्वर चौधरी के घर तक सी.सी. पहुंच मार्ग।	18.71
22 T0281	ग्राम पंचायत करगाडीह में शासकीय हाई स्कूल से मनहरण साहू घर तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	11.63
22 T0282	वार्ड क्रं. 8. में बाजार चौक पुल से बंजारी पारा पुल तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	18.50
22 T0283	वार्ड क्रं. 9 में नेवई पारा पुल से बंजारी पारा पुल तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	18.50
22 T0284	वार्ड क्रं. 10 में सुमरन साहू घर से स्व. मुरली साहू की घर की ओर सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	12.93
22 T0285	ग्राम झोला में पीलू साहू, कमलेश यादव से स्कूल तक सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य।	18.43
22 T0286	ग्राम पंचायत रसमड़ा में संजय चौक से आंगनबाड़ी एवं पंचायत से रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग।	18.08
22 T0287	मुख्य मार्ग से प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी पहुंच मार्ग कोटनी	13.35

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :- अन्य निविदा संबंधी शर्तो का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-65356/3

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग, संभाग दुर्ग

बाल अधिकार का पाठ पढ़ाने वाले खुद जुटे हैं बाल अधिकार हनन में

निशक्त शौचालय निर्माण में जिले में हुई बंदरबांट, 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं बना निशक्त शौचालय

बोरगांव/नवप्रदेश। कोंडागांव जिले में स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों में बड़ी गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। यहां 2 साल में निर्माण कार्य करने के बाद भी 225 शौचालय का निर्माण अधूरा है। इसका खुलासा आरटीआई से निकाले गए जानकारी से हुआ है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से 2 करोड़ 7 लाख रुपए का दिव्यांग छात्रों के लिए निःशक्त शौचालय निर्माण में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। जिले में दिव्यांग बच्चों के लिए या तो शौचालय बना ही नहीं या फिर कुछ स्कूलों में आनन-फानन में एक ही दीवार से लगाकर छात्रों के लिए अलग-अलग शौचालय निर्माण कर पल्ला झाड़ लिया गया। बाल अधिकार का पाठ पढ़ाने वाले लोग खुद ही बच्चों के अधिकारों पर डाका डाल रहे हैं। सूचना के अधिकार तहत जानकारी के अनुसार जिले भर में विभिन्न चयनित प्राथमिक उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में 2019 में दिव्यांग छात्रों के लिए 225 शौचालय का निर्माण होना था और बकायदा इसके निर्माण के लिए जिले से सभी विकासखंड के 51 संकुल समन्वयकों के बैंक खाते में प्रति शौचालय 92 हजार रुपए जारी कर दिया गया था। नियम के तहत कोई भी सरकारी कर्मचारी को निर्माण एजेंसी नहीं बनाया जा सकता लेकिन जिले में सभी नियमों को ताक में रखकर भ्रष्टाचार का नया फंडा इजाद किया गया। विभाग का कारनामा तो देखिए निःशक्त शौचालय निर्माण हेतु सभी विकासखंड के संबंधित संकुल समन्वयकों को निर्माण एजेंसी बनाया गया और उनके खाते में जिले से राशि जारी भी किया गया। ताज्जुब की बात यह है कि सभी स्कूलों में शाला विकास समिति व ग्राम पंचायत, पीएचई विभाग रहते हुए भी सरकारी कर्मचारी। सीएससी के खाते में राशि जारी करना और उसका आहरण कर निर्माण में भ्रष्टाचार करना कई सवाल खड़े कर रहे है।

शौचालय नहीं होने से बच्चों को हो रही परेशानी : बता दें कि इस निशक्त शौचालय निर्माण की तफ्तीश करने जब स्कूलों का दौरा किया गया तो फरसगांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बढ़गई गुडरापारा स्कूल में शौचालय की स्थिति बहुत ही दयनीय पाई गई। स्कूल के पीछे बने पुराने शौचालय जिसके ऊपर पेड़ गिर कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया उस शौचालय को आज तक बनाया नहीं गया। शौचालय की स्थिति जर्जर बनी हुई है। जिनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। इस मामले को लेकर छात्रों के सामने यह गंभीर सवाल भी खड़ा होता है कि आखिर शौचालय विहीन स्कूलों में अध्यनरत छात्र-छात्राएं स्वच्छता और मर्यादा अभियान को लेकर किस तरह का सबक वे सीखेंगे? जबकि उनके ही स्कूलों में इस तरह के अभियान ढोंग साबित हो रहे हैं।

बीआरसी कार्यालयों में उपलब्ध नहीं रिकॉर्ड

सूचना का अधिकार के तहत जब जिले के पांचों बीआरसी कार्यालय में निःशक्त शौचालय के पूर्णता प्रमाण पत्र एवं फोटोग्राफ्स मांगे गए तो सभी पांचों विकासखंड के बीआरसी द्वारा लिखित जानकारी दी गई कि बीआरसी कार्यालय में ऐसी कोई प्रमाण पत्र व फोटोग्राफ्स अभी तक सीएससी द्वारा उपलब्ध नहीं करवाया गया। राशि जिले से सीधे सीएससी के खाते में जारी किया गया था। जानकारी मिलने पर आपको उपलब्ध करवाया जाएगा।

शौचालय नहीं होने की दी लिखित जानकारी

जब विकासखंड के कुछ शालाओं में जहां निशक्त शौचालय बनना था। वहां स्कूलों में जाकर अवलोकन करने पर निःशक्त शौचालय नदारद था। संस्था प्रभारी से बात करने पर संस्था में निशक्त शौचालय ना होने की जानकारी मिली। साथ ही शाला में निशक्त शौचालय ना होने का लिखित में भी दिया गया। इसे सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है कि निःशक्त शौचालय निर्माण में कितना बड़ा भ्रष्टाचार हुआ।

क्या कहते हैं कलेक्टर

मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। इसकी जांच करवाई जाएगी। दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

पुष्पेंद्र मीणा, कलेक्टर कोंडागांव।

खरखाटोला नाला किनारे दिखा बाघ, ग्रामीणों में दहशत

वन विभाग ने कराई मुनादी, कहा - सतर्क रहें, जंगल जाने से बचें

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ व बोरतलाव के मध्य खरखाटोला के चंदन रिसॉर्ट के नजदीक एक बाघ देखा गया है। ग्रामीणों की सूचना पर वन अमला जांच में जुट गई है। वहीं गांवों में मुनादी कराई गई है कि सतर्क रहें और वनों में जाने से बचें। वहीं बाघ देखे जाने की सूचना पर आसपास के गांवों में दहशत का माहौल देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि मंगलवार-बुधवार की रात एक ट्रक ड्राइवर ने नजर बाघ पर पड़ी। उसने इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। इसके बाद उत्तर बोरतलाव वन समिति के चौकीदार जग्गु मंडावी ने वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग के आरए चंद्रप्रकाश शर्मा व वन रक्षक डेरहा राम सिन्हा मौके पर पहुंचे तो उन्हें बाघ के पद चिन्ह मिले। सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया गया। क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी व देखे जाने की सूचना से गांवों में हड़कंप मच गया है। उत्तर बोरतलाव के रेंजर हरि सूरज बलि सिन्हा ने बताया कि टीम का गठन कर खरखाटोला के कक्ष क्रमांक 446, 447 में मौका स्थल पर पहुंच चिन्हों का सैंपल लिया गया है और अभी बताना मुश्किल है कि ये पद चिन्ह बाघ के है या किसी और जानवर के हैं। लैब से रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट हो पायेगा। ग्रमीणों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

डैम के पास भी देखा गया था बाघ

इसके पहले भी राउरकसा डैम के आसपास बाघ देखा गया था। ग्रामीणों ने बताया गया कि पूर्व में भी राउरकसा के जंगल व डैम के आसपास बाघ की चहलकदमी देखी गई है। वनसमिति के सदस्य व क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को जंगल जाने पर सावधानी बरतते हुए अकेले जंगल जाने से मना किया है और आसपास क्षेत्र के वनांचल ग्राम खोलारघाट, बछेराभांठा, चौथना, पीपरखार, लेडीजोब, भर्रीटोला में मुनादी करा सावधानी बरतने की अपील की गई है।

घर घुसकर तीन युवकों के साथ एएसआई ने बुजुर्ग दंपति से की मारपीट

सोने की चैन लुटने का भी आरोप, एएसआई को एसपी ने किया निलंबित

कांकेर/नवप्रदेश। शहर के मांझापारा वार्ड में वाहनों की लेनदेन को लेकर घर में घुसकर तीन युवकों के साथ एक एएसआई द्वारा बुजुर्ग दंपत्ति व उनके पुत्र के साथ मारपीट कर सोने की चैन लुटने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित परिवार की रिपोर्ट पर पुलिस ने एएसआई समेत 4 के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं एएसआई को पुलिस अधीक्षक ने निलंबित करते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। कोतवाली में शिकायत करते हुए मांझापारा निवासी सुंदर असरानी ने बताया है कि 23 नवंबर की रात करीब 9 से 10 बजे के बीच अपनी पत्नी व बेटे के साथ घर पर थे तभी तीन युवक और एएसआई चंदन चाहू आ गए और उनके बेटे मुकेश खटवानी को पूछते हुए दुकान आये उसके बाद दुकान का शटर जबरदस्ती खुलवाये जो कि दुकान किराये में दी गई थी। जबरदस्ती किरायेदार नरेश सोनी को बुलाकर शटर खुलवाये और कुछ गाड़ियां लेकर चले गए। पूछने पर बताये कि थाना में शिकायत आयी है और ये गाड़ी हमें चाहिए और गाड़ी लेकर चले गये। कुछ देर बाद एक लड़के को और घर भेजे और वह भी लड़का गाड़ी मांग रहा था और कुछ समझ आता उसके तुरन्त बाद चेतन साहू के साथ भी वह लड़का घर आया और गाड़ी की जबरदस्ती करने लगा। मांग किया और मेरे पुत्र के चिल्लाने बोलने के बाद तीन लड़के और आये जिनका नाम मोन्टू खटवानी, अमन खटवानी और पीयूष वलेचा और भी कुछ अन्य लोग आये थे। मेरे साथ घर में घुसकर मारपीट कर मेरी पत्नी की बाल खींचकर मारने लगे और उनके लाख हाथ जोड़ने पर भी नहीं रूके जिससे तथा सोने की चैन छीनकर चले गये। जिसमें मेरे को भी चोट आयीं मेरी पत्नी व पुत्र को चोटें आयी है। पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच की गई है। जांच उपरांत एएसआई थाने के बिना ड्यूटी के वहां गए थे व उन्हें तत्काल पद से निलंबित कर दिया गया है। आगे इस मामले में दोषियों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

प्रतिबंधात्मक दवाइयों की बिक्री, दो मेडिकल संचालकों को नोटिस

कवर्धा/नवप्रदेश। पुलिस अधीक्षक ने मोहित गर्ग ने जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अवैध शराब, गांजा नशीली दवाइयों की बिक्री, एवं प्रतिबंधात्मक दवाइयों को मेडिकल स्टोर में रखने या बेचने पर अंकुश लगाने के लिए समय-समय पर सरप्राइज चेकिंग करने निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में कोतवाली पुलिस को मुखबीर ने सूचना दी कि बिलासपुर रोड दर्रीपारा चंदन मेडिकल स्टोर एवं शिवम मेडिकल स्टोर में बिना किसी डॉक्टर के प्रिसक्रिप्शन के प्रतिबंधात्मक दवाइयों की बिक्री की जा रही है। जिस पर उप निरीक्षक गीतांजलि सिन्हा के द्वारा ड्रग इंस्पेक्टर जितेंद्र पाटीदार के साथ मेडिकल दुकानों में जांच की। जिसमें श्री शिवम मेडिकल स्टोर के शारदा राजपूत ठाकुरपारा के दवाई दुकान में दवाइयां खरीदने व बेचने का रिकार्ड संधारित नहीं किया गया था। वहीं चंदन मेडिकल स्टोर के राजू राम निषाद ठाकुरपारा के दुकान में निरीक्षण के दौरान वहीं स्थिति थी। जिस पर ड्रग इंस्पेक्टर ने दोनों मेडिकल स्टोर संचालकों को नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों में जवाब प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

5 साल की मासूम से हैवानियत, बेहोश हुई तो मरा समझकर भागा आरोपी, गिरफ्तार

बालोद/नवप्रदेश। जिले की बालोद थाना क्षेत्र के एक गांव में 5 साल की एक बच्ची के साथ अनाचार का संगीन मामला सामने आया है। आरोपी की हैवानियत से मासूम बच्ची बेहोश हो गई तो आरोपी उसे मरा समझ मौके से फरार हो गया। वहीं बच्चो को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बालोद पुलिस ने दुष्कर्मी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मासूम बच्ची अपने दादा व पिता के साथ गांव के ही एक दशकर्म कार्यक्रम में गई थी। बच्ची पहले से घर में खाना खा चुकी थी इसलिए वह इस कार्यक्रम के दौरान सिर्फ रोटी लेने के बाद अपने परिजन से घर जाने की जिद करने लगी। इस बीच मोहल्ले का ही आरोपी रामकुमार बाइक से घर की ओर जा रहा था। मासूम के परिजनों ने उसे छोड़ने कहा लेकिन आरोपी ने इस मौके का फायदा उठाकर शाम करीब 7:30 बजे के बाद वह बच्ची को घर छोड़ने के बजाय तालाब के पास खेत की ओर ले गया और जहां उससे हैवानियत की। आरोपी बच्ची का मुंह दबाया जिससे वह बेहोश हो गई। जिसे आरोपी मरा हुआ समझकर खेत में ही छोड़कर भाग गया। इधर जब करीब 1 घंटे बाद परिजन खाना खाकर घर लौटे और बच्ची घर में नहीं दिखी तो अन्य घर वालों से पूछताछ की गई। घरवालों ने कहा कि वह तो आप लोगों के साथ खाना खाने गई थी। अब तक आई नहीं है। परिजन ढूंढने निकले। गली में वह युवक मिला जिसके भरोसे घर छोड़ने के लिए परिजनों ने बच्ची को बाइक में बैठाया था। युवक से पूछताछ की गई तो कहने लगा कि मैं तो उसे कब का पान ठेले के पास छोड़कर चला गया था। अब मुझे नहीं मालूम आगे क्या हुआ। परिजन परेशान हो गए और लगभग 2 घंटे तक बच्ची को ढूंढते रहे। रात करीब 10:30 बजे बच्ची जहां पर पड़ी हुई थी होश आने के बाद पैदल घर पहुंची तब मामले का खुलासा हुआ और आरोपी की सब करतूतों को बच्ची ने बताया। जिसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए और आरोपी के घर आ धमके। तो वहीं बच्ची के कान नाक के पास से खून निकल रहा था, चेहरे पर सूजन हो गया था। जिसे देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल रात 12:30 बजे बच्ची को जिला अस्पताल बालोद में भर्ती करवाया। वहीं मामले की सूचना पुलिस में दी जिस पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

मासूम को मिला इंसाफ, कोर्ट ने दुष्कर्मी को दी आजीवन कारावास

रामानुजगंज/नवप्रदेश। शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम मदपुर, मनोहरपुर में 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गांव के ही कुंवर साय (48 साल) के द्वारा मासूम के साथ अनाचार किया था। शंकरगढ़ पुलिस आरोपी के खिलाफ धारा 376 (क)(ख) एवं धारा 4/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। मामले में अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायालय पास्को रामानुजगंज वंदना दीपक देवांगन ने फैसला सुनाते हुए अपराध की प्रकृति तथ्य एवं परिस्थितियों को देखते हुए प्रस्तुत मामले में अभियुक्त द्वारा किए गए अपराध को देखते हुए आजीवन सश्रम कारावास और 50 हजार रुपए अर्थदंड का सजा सुनाया। शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक ने बताया कि 15 सितम्बर 2020 को 6 वर्षीय मासूम बच्ची अन्य बच्चों के साथ पड़ोस में खेल रही थी, लेकिन देर शाम तक घर नहीं आई तो उसकी मां पड़ोसी के यहां खोजने गई तो वहीं पर महिला ने बताया कि आपकी बच्ची पास के मक्के के खेत में गिरी हुई रो रही थी मेरे वहां जाने पर वही से कुंवर नगेसिया नाम का व्यक्ति बाड़ी से निकल कर भाग रहा था बच्ची की स्थिति देखने पर पता चला कि उसने साथ कुछ गलत किया है। बच्ची को अपने घर लेकर आई। उक्त घटना की जानकारी महिला ने अपने पति को दी दूसरे दिन आसपास के लोगों को इकट्ठा कर घटना की जानकारी दी गई। गांव में बैठक करने के बाद शंकरगढ़ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। जांच उपरांत आरोपी को गिरफ्तार कर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जिसमें सजा सुनाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायालय पास्को वंदना देवांगन ने अभियुक्त को धारा 5 (ट)(ड)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 विकल्प में धारा 376(क)(ख) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन सश्रम कारावास जिसका अभिप्राय अभियुक्त के शेष प्राकृत जीवनकाल के लिए कारावास से है तथा 50 हजार रुपए अर्थदंड का सजा सुनाया। वहीं शारीरिक एवं मानसिक पुनर्वास हेतु 10 लाख रुपए प्रदान करने की अनुशंसा न्यायाधीश ने अनुशंसा की। वही कलेक्टर बलरामपुर रामानुजगंज को 18 वर्ष आयु होने तक निशुल्क शिक्षा किसी अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रदान कराए जाने के निर्देश दिए।